नई दिल्ली ■ सोमवार 02 फरवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 306 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 संतुलन की पतली रस्सी पर बजट... | 07 खेलो इंडिया को फिर से सर्वाधिक आवंटन खेल सामग्री ... | अपना हर जन्मदिन वैष्णो धाम में माता वैष्णो देवी का दर्शन... 08

केंद्रीय बजट लोकसभा में पेश

सरकार विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम उठाना जारी रखेगी: सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट को अंपनी मंजूरी दी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, सरकार 'विकसित भारत' की दिशा में मजबूत कदम उठाना जारी रखेगा। भारत वैश्विक बाजार के साथ गहनता से जुड़ा रहेगा। मैं पार्ट-ए की शुरुआत करते हुए इस देश के नागरिकों का आभार प्रकट करना चाहूंगा, जिन्होंने इस देश को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाया है।

सीतारमण ने कहा कि हमने सुनिश्चित किया है कि किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों को लाभ मिलता रहे। यह युवा शक्ति से प्रेरित बजट है। हमारी सरकार का संकल्प गरीब, हाशिए पर पड़े लोगों पर ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन में यह बजट बना है। पहला कर्तव्य है- आर्थिक विकास को सतत तरीके से बढ़ाना। दूसरा कर्तव्य है- जनआकांक्षाओं को पूरा करना। तीसरा कर्तव्य है- सबका साथ, सबका विकास। यह सुनिश्चित करना कि सभी को संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक समान रूप से पहुंच मिले। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करने से पहले रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। परंपरा के अनुसार वित्त मंत्री संसद जाने से पहले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने वित्त मंत्री सीतारमण को दही-चीनी खिलाई। उन्होंने बजट के लिए वित्त मंत्री को शुभकामनाएं दी।

वित्त मंत्री ने बजट पेश करने से पहले की राष्ट्रपति से मुलाकात

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करने से पहले रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। परंपरा के अनुसार, वित्त मंत्री संसद जाने से पहले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलीं। राष्ट्रपति भवन जाने से पहले सीतारमण ने कर्तव्य भवन स्थित अपने कार्यालय के सामने अपने बजट दल के साथ तस्वीर खिंचवाई। 'मैजेंटा' रंग की रेशमी साड़ी पहने सीतारमण ने राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न वाले एक लाल 'पाउच' (थैले) में टैबलेट पकड़ा था। उनके साथ वित्त राज्यमंत्री और उनके मंत्रालय के सभी छह सचिव भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी, "केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रीय बजट पेश करने से पहले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने बजट पेश करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री और उनके दल को शुभकामनाएं दीं।" केंद्रीय बजट पेश करने के लिए संसद रवाना होने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने सीतारमण को "दही-चीनी" खिलाया।

बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट प्रस्तुत किए जाने को नारी शक्ति का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मजबूत आधार तैयार करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज जिस "रिफॉर्म एक्सप्रेस" पर सवार है, इस बजट से उसे नई रफ्तार मिलेगी। पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म्स देश के साहसी, प्रतिभाशाली और आकांक्षाओं से भरे युवाओं को आगे बढ़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है बल्कि वह जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहता है। 140 करोड़ नागरिकों का संकल्प है कि भारत जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बने।

उन्होंने कहा कि एक विश्वसनीय लोकतांत्रिक साझेदार और विश्वसनीय गुणवत्ता आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की वैश्विक भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल के वर्षों में हुए बड़े-बड़े ट्रेड डील्स का अधिकतम लाभ देश के युवाओं, छोटे और मध्यम उद्योगों को मिले, इसके लिए बजट में अहम कदम उठाए गए हैं।

एक अप्रैल से लागू होगा आयकर अधिनियम 2025: केंद्रीय वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। सीतारमण ने कहा कि आयकर अधिनियम 2025 को 01 अप्रैल से लागू किया जाएगा और इसके नियम तथा 'टैक्स रिटर्न' फॉर्म जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे। हालांकि, केंद्रीय बजट में स्टैंडर्ड डिक्डशन में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। लोकसभा में बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि एक अप्रैल से आयकर अधिनियम 2025 लागू हो जाएगा, जो छह दशक पुराने कर कानून का स्थान लेगा।

बजट 2026-27 में कर कानूनों में किए गए बदलावों को इस नए कानून में शामिल किया जाएगा। नए आयकर कानून में वित्त वर्ष और आकलन वर्ष की जगह अब नया टर्म कर वर्ष (Tax Year) का इस्तेमाल किया जाएगा। सीतारमण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण में कहा, "इसे (प्रत्यक्ष कर संहिता) रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। आयकर अधिनियम, 2025 पहली अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि सरलीकृत आयकर नियमों और फॉर्म को जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा, जिससे करदाताओं को इसकी आवश्यकताओं से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।" वित्त मंत्री ने छात्रों, तकनीकी पेशेवरों और स्थानांतरित एनआरआई जैसे छोटे करदाताओं के लिए छह महीने की विदेशी संपत्ति खुलासा योजना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि पहले अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की अवधि के लिए जुर्माने की राशि पर करदाताओं पर कोई ब्याज नहीं देना होगा, चाहे परिणाम कुछ भी हो। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा को बढ़ाकर 31 दिसंबर से 31 मार्च करने का प्रस्ताव किया। मामूली शुल्क के भुगतान के साथ आयकरदाता इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि आयकर फॉर्म को इस तरह से तैयार किया गया है कि सामान्य नागरिक बिना किसी कठिनाई के इनका पालन कर सकें। वर्ष 2025 का आयकर कानून राजस्व तटस्थ है और इसमें कर दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसने केवल प्रत्यक्ष कर कानूनों को समझने में सरल बनाया है, अस्पष्टताओं को दूर किया है, जिससे मुकदमों की गुंजाइश कम हुई है। सीतारमण ने रविवार को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश किया।

देश में 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए देश में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये कॉरिडोर शहरों के बीच 'ग्रोथ कनेक्टर' के रूप में कार्य करेंगे और पर्यावरण के लिहाज़ से टिकाऊ यात्री परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देंगे। प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर मुंबई–पुणे, पुणे–हैदराबाद, हैदराबाद–बेंगलुरु, हैदराबाद–चेन्नई, चेन्नई–बेंगलुरु, दिल्ली–वाराणसी तथा वाराणसी–सिलीगुड़ी को जोड़ेंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से विभिन्न राज्यों और प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के बीच संपर्क सुदृढ़ किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार वाहन क्षमता बढ़ाने और आधुनिक रेल अवसंरचना के विकास पर विशेष जोर दे रही है।

बजट 2025 - सस्ता महंगा

क्या हुआ सस्ता

- CNG गैस
- कैंसर की दवा
- माइक्रोवेव-ओवन
- एयरक्रॉफ्ट से जुड़ी चीजें
- एयरक्रॉफ्ट से जुड़ी चीजें
- बैटरी
- सोलर से जुड़ी चीजें
- कपड़ा निर्यात
- चमड़ा
- जूता
- बीड़ी
- विदेश में पढ़ाई
- विदेश यात्रा

क्या हुआ महंगा

वायदा कारोबार
खनिज
स्क्रैप
शराब

शराब और बीड़ी सस्ती, विदेशियों को कर छूट, छोटे करदाताओं के लिए कर प्रक्रिया आसान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह मौजूदा वित्त वर्ष में 4.8 प्रतिशत पर रहा है, जिसे संशोधित अनुमान के अनुसार हासिल किया गया। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में बताया कि शराब और बीड़ी सस्ती होंगी। इसके अलावा जूते, कपड़ा निर्यात और बैटरी भी सस्ती होंगी। कैंसर से जुड़ी 17 दवाएं सस्ती होंगी,

वहीं 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएं भी सस्ती होंगी। दवाओं और चिकित्सीय उपकरणों पर सीमा शुल्क घटाने का ऐलान किया गया है। इसके अलावा सीएनजी और बायोगैस को भी सस्ता करने की घोषणा की गई है, जिससे सीएनजी से चलने वाले वाहनों के मालिकों को राहत मिलेगी। वित्तमंत्री ने कहा कि इनकम टैक्स रिटर्न में गड़बड़ी पर अब सजा नहीं होगी। सरकार ने जुर्माने का प्रावधान किया है। जो अपनी आय छिपाएगा, उससे 30 प्रतिशत कर लिया जाएगा लेकिन उसे जेल या सजा नहीं होगी। सीतारमण ने विदेशियों को राहत देते हुए कहा कि भारत में पांच साल तक रहने वाले विदेशी नागरिकों को उनकी गैर-भारत आय पर कर से छूट मिलेगी।

मधुमेह कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम पर 10 हजार करोड़ खर्च करेगी सरकार

देश में बढ़ती मधुमेह, कैंसर, हृदय, किडनी और लिवर से जुड़ी बीमारियों जैसे- गैर संक्रामक रोगों को देखते हुए सरकार अगले 5 सालों में फार्मा और बायो-टेक सेक्टर के विकास में 10 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए सरकार जांच और शुरुआती इलाज पर विशेष ध्यान देगी ताकि लोगों को इन बीमारियों से बचाने की क्षमता को मजबूत किया जा सके।

पूंजीगत खर्च 12.2 लाख करोड़, दवाएं बैटरी और सीएनजी-बायोगैस सस्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार का पूंजीगत खर्च 12.2 लाख करोड़ रुपये रहेगा। राज्यों को 1.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे और उनका हिस्सा 41 प्रतिशत पर बनाए रखा जाएगा। उन्होंने मालगाड़ियों के लिए नया मालवाहन कॉरिडोर (डीएफसी) बनाने, कलिंगानगर में औद्योगिक केंद्र स्थापित करने, तटीय मालवाहन को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू करने और देश में सी प्लेन बनाने के लिए भी विशेष योजना लाए जाने का ऐलान किया।

बजट में घोषित प्रमुख प्रावधान

- आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं।
- वायदा एवं विकल्प (एफ एंड ओ) सौदों पर लगने वाले प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) को बढ़ाकर क्रमशः 0.05 प्रतिशत और 0.15 प्रतिशत किया गया।
- विदेशी पर्यटन पैकेज की बिक्री पर 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) की दर को दो प्रतिशत किया गया।
- उदारीकृत धनप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत विदेश में शिक्षा और चिकित्सा खर्च पर टीसीएस को भी दो प्रतिशत किया गया।
- नया आयकर अधिनियम, 2025 इस साल एक अप्रैल से लागू होगा, नियम और फॉर्म जल्द जारी होंगे।
- बिना ऑडिट वाले व्यवसायों के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की तारीख अगस्त 31 तक बढ़ाई गई।
- विदेशी कंपनियों को भारत के डेटा सेंटर से वैश्विक सेवाएं प्रदान करने पर 2047 तक मिलेगा 'कर अवकाश।'
- वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 4.4 प्रतिशत से कम है।
- जीडीपी में ऋण का अनुपात 56.1 प्रतिशत से घटाकर 55.6 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल बजट का आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये।
- सरकारी पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया।
- राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 1.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित।
- शुद्ध कर संग्रह 28.7 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान।
- सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान।
- बजट का 'तीन कर्तव्य' पर ध्यान, वृद्धि की रफ्तार तेज करना, आकांक्षाओं को पूरा करना, और सबका साथ, सबका विकास।
- सुधारों के 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के तहत 350 से अधिक सुधार लागू।
- एसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये का वृद्धि कोष बनाने का प्रस्ताव, भविष्य के चैंपियन बनाने का लक्ष्य।
- सीमाशुल्क के लिए विश्वास-आधारित प्रणाली, पूर्व-निर्धारित कर निर्णय (एडवांस रुलिंग) की वैधता अवधि पांच वर्ष तक बढ़ाई गई।
- सेवा क्षेत्र का योगदान वर्ष 2047 तक बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने के लिए उच्चस्तरीय के गठन का प्रस्ताव।

कर व्यवस्था में बदलाव

- शिक्षा और स्वास्थ्य पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) दर घटाकर 5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत की गई।
- आयकर रिटर्न संशोधन के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा, नाममात्र शुल्क देकर संशोधित रिटर्न दाखिल किए जा सकेंगे।
- आईटीआर-1 और आईटीआर-2 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई होगी।
- गैर-लेखा परीक्षण व्यापार मामलों और न्यासों के लिए अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई।
- संपत्ति बेचने वाले अनिवासी भारतीयों पर टीडीएस नियम बदला गया। अब कटौती निवासी खरीदार करेगा और इसके लिए टैक्स अकाउंट नंबर की आवश्यकता नहीं होगी।
- बजट 2026 में आयकर रिटर्न संशोधित करने की समयसीमा 31 दिसंबर की जगह अगले साल 31 मार्च तक बढ़ाई गई

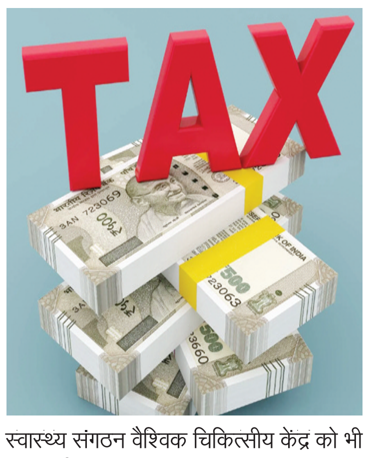

स्वास्थ्य और आयुष क्षेत्र

भारत को चिकित्सीय पर्यटन केंद्र बनाने के लिए पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। आयुष फार्मेसी और औषध परीक्षण प्रयोगशाला का उन्नयन होगा और जामनगर स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक चिकित्सीय केंद्र को भी उन्नत किया जाएगा।

एमएसएमई और वस्त्र क्षेत्र

एमएसएमई क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का एमएसएमई विकास कोष घोषित किया गया। वस्त्र क्षेत्र को भी प्रोत्साहन मिलेगा और पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में बुनियादी ढांचे को मज़बूत किया जाएगा।

देश में खोले जायेंगे 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी अहम घोषणाएं की हैं। जिसके तहत देश में 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोले जाएंगे। अभी इनकी जगह नहीं बताई गई है। इसके साथ बेहतर मानसिक स्वास्थ्य इलाज के उद्देश्य से वित्त मंत्री ने निमहंस 2.0 स्थापना की घोषणा की जो देश के लिए प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के तौर पर काम करेगा। इसके साथ ही उत्तर भारत में दो मानसिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की घोषणा की गई। निर्मला सीतारमण ने भारत को मेडिकल टूरिज्म हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए देश में 5 रीजनल हब स्थापित करने में मदद की योजना का प्रस्ताव रखा। इससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ेगी, प्रशिक्षण और शोध को मजबूती मिलेगी और मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल उपलब्ध कराई जा सकेगी।

केंद्रीय बजट से विकास और रोजगार का रोडमैप, जेवर के भविष्य को मिलेगी नई उड़ानः धीरेंद्र सिंह

गौतमबुद्ध नगर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने विकास, रोजगार और समावेशी प्रगति का मजबूत दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है, जिसमें आत्मनिर्भर भारत, मजबूत बुनियादी ढांचा और हर वर्ग के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि बजट में किसानों, युवाओं, मध्यम वर्ग, एमएसएमई और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर–सभी के लिए संतुलित अवसर शामिल किए गए हैं। विशेष रूप से बुनियादी ढांचे पर बढ़ाए गए पूंजीगत व्यय से सड़कों, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक कॉरिडोर और शहरी विकास को नई गति मिलेगी, जिसका सीधा लाभ जेवर एयरपोर्ट क्षेत्र और आसपास के इलाकों को मिलेगा। इससे क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए और अधिक आकर्षक बनेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार और कौशल विकास से जुड़ी घोषणाएं युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आई हैं। स्टार्ट-अप, अप्रेंटिसशिप और स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और युवा आत्मनिर्भर बन सकेंगे। कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बजट की दिशा को सराहते हुए

विधायक ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्रामीण क्रेडिट को मजबूत करने के प्रावधान ग्रामीण भारत के लिए संजीवनी साबित होंगे। धीरेंद्र सिंह ने कहा कि एमएसएमई और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सस्ता वित्त, आसान अनुपालन और विभिन्न प्रोत्साहन छोटे और मध्यम उद्योगों को नई ऊर्जा देंगे।

इससे स्थानीय उद्योगों का विस्तार होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मध्यम वर्ग को लेकर विधायक ने कहा कि कर ढांचे में स्थिरता और जीवनयापन से जुड़े क्षेत्रों में समर्थन आम परिवारों को राहत और भरोसा देता है। यह बजट मध्यम वर्ग की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है। जेवर और गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र में विकास, निवेश और रोजगार के नए द्वार इस बजट से खुलेंगे।

केंद्रीय बजट 2026 का भाजपा कार्यकर्ताओं ने देखा लाइव प्रसारण
जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया विकसित भारत की मजबूत नींव

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी जनपद गौतमबुद्ध नगर के सभी 11 मंडलों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर केंद्रीय बजट 2026 का लाइव प्रसारण देखा। इसके साथ ही भाजपा जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में जिला इकाई, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से बजट का सीधा प्रसारण देखा।

बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत किया गया यह "विकसित भारत बजट" आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह बजट मजबूत अर्थव्यवस्था, युवाओं के लिए नए अवसर, किसानों के कल्याण और गरीब कल्याण को समर्पित है। अभिषेक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट विकसित, सशक्त और समृद्ध भारत की दिशा में एक निर्णायक और मजबूत कदम है। यह बजट देश के आर्थिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ हर वर्ग के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, धर्मेन्द्र कोरी, सतेन्द्र नागर, वीरेन्द्र भाटी, सत्यपाल शर्मा, कर्मवीर आर्य, गुरुदेव भाटी, अरुण प्रधान, नीतीश भाटी, राज नागर, अमन कौशिक, अशोक रावल, अजीत मुखिया, रजनी तोमर, सचिन गौतम, वरुण धीमान, सरजीत नागर, वसुंधरा, अशोक कमांडो सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने केंद्रीय बजट के लाइव प्रसारण को उत्साहपूर्वक देखा और बजट को देश के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

केंद्रीय बजट 2026 पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी का तीखा हमला

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर दीपक भाटी चोटीवाला ने केंद्र की मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह बजट एक बार फिर निम्न और मध्यम वर्ग के लिए छलावा साबित हुआ है और आम जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया गया है। दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करने वाली सरकार का यह बजट किसानों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है।

खेती की बढ़ती लागत, खाद-बीज-डीजल के दाम और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर बजट में कोई ठोस राहत नहीं दी गई, जिससे किसान वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि गृहणियों, जो महंगाई के बीच

रसोई का बजट संभालने में सरकार से कुछ नरमी की उम्मीद लगाए बैठी थीं, उनकी उम्मीदें भी इस बजट में पूरी तरह धराशायी हो गई हैं। रोजमर्रा की जरूरतों पर महंगाई कम करने या घरेलू खर्च को राहत देने वाला कोई ठोस प्रावधान बजट में नहीं दिखा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नौकरीपेशा वर्ग टैक्स स्लैब में राहत और सीमा बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन बजट ने उन्हें भी निराश किया है। टैक्स के मोर्चे पर आम नौकरीपेशा लोगों को कोई वास्तविक फायदा नहीं मिला, जिससे मध्यम वर्ग की मुश्किलें और बढ़ेंगी। दीपक भाटी चोटीवाला ने बजट को पूरी तरह चुनावी करार देते हुए कहा कि यह बजट चुनावी राज्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसमें सिर्फ वादों का ढकोसला है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी आज भी अपनी आमदनी का लगभग 39 प्रतिशत विभिन्न करों के रूप में सरकार को देता रहेगा, जो बेहद शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट आम जनता की समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल रहा है और सरकार ने एक बार फिर देश के किसान, मजदूर, गृहणी और नौकरीपेशा वर्ग की अनदेखी की है।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान 5772 चालान और 11 वाहन किये सीज

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में यातायात पुलिस ने यातायात के अलग-अलग नियमों का उल्लंघन करने पर फरवरी माह के प्रथम दिन 5772 वाहनों का चालान किया। वहीं दस्तावेज नहीं होने पर 11 वाहनों को सीज किया। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की नसीहतें व सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा का पाठ भी पढ़ाया।

पुलिस उपायुक्त यातायात मनीषा सिंह ने बताया कि नोएडा शहर के विभिन्न जगहों पर आज विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि मैनुअल 2261 चालान एवं ISTMS कैमरों द्वारा 3511 वाहनों के कुल 5772 ई–चालान की कार्यवाही की गई एवं 11 वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान (बिना हेलमेट,ओवर स्पीड,विपरीत दिशा,ड्रिंक एंड ड्राइव) के अंतर्गत बिना हेलमेट–2342, विपरीत दिशा–311, ओवर स्पीड–297 तथा ड्रिंक एंड ड्राइव के12 वाहन चालकों पर कार्यवाही की गई। पुलिस उपायुक्त यातायात ने बताया कि यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा नोएडा में पर्थला गोलचक्कर पर वाहन चालकों को नियमों के पालन के लिए जागरूक किया गया। अन्य जगहों पर ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा के विषय एवं यातायात नियमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस का

रन टू सेव लाइफ मैराथन से धावकों ने दिया जागरूकता का संदेश

ग्रेटर नोएडा। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 'रन टू सेव लाइफ' मैराथन का भव्य और सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (जिम्स) और अस्तित्व फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 1400 धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस जागरूकता दौड़ में पैरालंपिक पदक विजेता वरुण सिंह भाटी, पैरा एथलीट और दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता स्वर्णा राज, जेवर विधायक, सीआरपीएफ के प्रतिनिधि, कैंसर सर्वाइवर्स, विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। मैराथन का शुभारंभ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. चंद्र के. सिंह, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के निदेशक डॉ. राकेश गुप्ता, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की अधिष्ठाता डॉ. धन लक्ष्मी, अस्तित्व फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह और होंडा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

ग्रेनो में हॉकी स्टेडियम की परियोजना को गति मिलेगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम और शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की परियोजना को और रफ्तार मिलेगी। इसमें रुपये की कमी बाधा नहीं बनेगी। वहीं, प्रशिक्षण केंद्र बनने से खिलाड़ियों के हुनर को निखारने में मदद मिलेगी। उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। बजट 2026-27 में खेलो इंडिया मिशन की स्थापना कर अगले 10 वर्षों में खेलों को और अधिक बढ़ावा देने की घोषणा की गई।

- प्रशिक्षण केंद्र बनने से खिलाड़ियों के हुनर को निखारने में मदद मिलेगी
- कोच और सहायक कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा

जगह-जगह पर प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाने का प्रावधान किया गया। खास बात यह है कि कोच और सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को इसका लाभ मिल सकता है। प्राधिकरण ने इस खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र बनाने की जो परिकल्पना की है,उसे बल मिलेगा। अधिकारी के मुताबिक क्रिकेट सहित प्रत्येक खेल मैदान का तकनीकी मूल्यांकन कराकर सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। प्राधिकरण की ओर से 38 एकड़ में विकसित किए गए शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में क्रिकेट, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केटबॉल, स्केटिंग, फुटबॉल और स्विमिंग आदि खेलों की सुविधाएं मौजूद हैं। खेलो इंडिया मिशन की स्थापना के तहत खेल से जुड़ी कोई बड़ी एजेंसी इसके संचालन के लिए आगे आ सकती है। खेलो मिशन की स्थापना होने से ग्रेटर नोएडा में प्रशिक्षण केंद्र खुलने का रास्ता साफ हो जाएगा। बजट सहित किसी तरह की अड़चन नहीं आएगी। ग्रेटर नोएडा के ओएसडी अभिषेक पाठक ने बताया कि खेल परिसर को और अधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सके, इसके लिए रुचि की अभिव्यक्ति जारी कर प्रस्ताव मांगे गए हैं। अच्छा प्रस्ताव मिलने पर उसे धरातल पर उतारा जाएगा। विशेषज्ञों से सुझाव भी लिया जाएगा। चयनित संचालक को खेल अकादमी स्थापित करने और अन्य गतिविधियों का प्रबंधन करने की छूट होगी। हॉकी स्टेडियम 10.37 एकड़ में बनेगा ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-37 में विकसित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम की परियोजना का काम तेज होगा। यह हॉकी स्टेडियम 10.37 एकड़ में बनाया जाएगा। इस पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बजट में खेल के लिए विशेष प्रावधान किए जाने से परियोजना को गति मिलने की उम्मीद है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत ग्रेटर नोएडा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में खेल सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। हॉकी स्टेडियम में दर्शकों के बैठने की सुविधा, खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम, सेंटर और अन्य जरूरी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार होंगी। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ी तैयार होंगे खेल सुविधाओं का फायदा उठाते हुए ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए होनहार खिलाड़ियों को तैयार करना है। इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका लाभ गौतमबुद्धनगर सहित आसपास के जनपदों के खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा,जो खेल के क्षेत्र

संक्षिप्त खबरें

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो का काम शुरू कराने के लिए प्रदर्शन करेंगे

ग्रेटर नोएडा। नेफोवा की ओर से रविवार को आयोजित बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा निर्णय लिया गया कि क्षेत्र में मेट्रो का काम जल्द शुरू करवाने के लिए 15 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन होगा। नेफोवा ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निदान न होने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की बदहाली, अतिक्रमण और वर्षों से अधूरी सड़कों के कारण लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। इसको लेकर संबंधित विभाग और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ मुकदमा दायर किया जाएगा। नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि बैठक में क्षेत्र में पुलिस गश्ती की कमी के ऊपर चिंता जाहिर की गई। बैठक में विचार-विमर्श कर यह तय किया गया कि जल्द ही डीसीपी सेंट्रल नोएडा एवं पुलिस कमिश्नर से मिलकर इस पर ठोस कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने से छीना-झपटी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनको रोकने की जरूरत है। खुले नालों को अविलंब ढकने के लिए प्रयास करने पर भी बल दिया गया। टीम नेफोवा ने इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए संभावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की, जिनमें नियमित पुलिस गश्त, अतिक्रमण हटाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई, सफाई व्यवस्था में सुधार तथा संबंधित प्राधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है।

किशोरी 22 दिन से गायब, खोजने के लिए टीम गठित

नोएडा। फेज-2 थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली किशोरी 22 दिन से लापता है। परिजनों का कहना है कि हाल में जानकारी मिली है कि बदायूं का योगेश उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। उन्होंने किशोरी के साथ अनहोनी होने की आशंका जताई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी को खोजने के लिए टीम गठित कर दी है। जल्द ही किशोरी को सकुशल बरामद किया जाएगा।

महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं के बारे में बताया। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। जिले के तीनों जोन के थाना क्षेत्रों में अभियान के तहत महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है तो शिकायत कहां और कैसे करनी है।

छात्रों ने एआई विषय पर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए

नोएडा। सेक्टर-50 स्थित कोठारी इंटरनेशनल स्कूल में कृति डिजाइन थिंकिंग एंव नवाचार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों की ओर से तैयार किसबोट नामक रोबोट कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। आयोजन में कक्षा चार से नौ और कक्षा 11 के छात्रों ने एआई, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य, कृषि और सतत विकास विषयों पर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

लखपति दीदी के उत्पादों को पहचान मिलेगी

ग्रेटर नोएडा। जिले की करीब 1900 लखपति दीदी के उत्पादों को अलग पहचान मिलेगी। केंद्रीय बजट में महिला स्वयं सहायता समूह उद्यमियों के लिए शी मार्ट स्थापित किए जाएंगे। यहां वह अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर उन्हें पहचान दिला सकेंगी। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत महिलाएं खुद को आत्मनिर्भर बना रही हैं। जिले में 1709 स्वयं सहायता समूह हैं। इनमें करीब 17 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें 1900 महिलाएं ऐसी हैं, जो अपना घर संभालने के साथ सैकड़ों महिला और पुरुषों को रोजगार दे रही हैं। इनका काम कंपनी का रूप ले चुका है। यानी कि जिले में 1900 महिलाएं अपना काम शुरू कर लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार ने इन महिलाओं के उत्पादों को अलग पहचान दिलाने की तैयारी की है। इसके लिए बजट में अब महिलाओं के उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए खुदरा दुकानें स्थापित की जाएंगी। यहां महिलाएं खुद के द्वारा बनाए जा रहे कॉस्मेटिक, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, डेयरी उत्पाद, कपड़ा, मिट्टी कला और अन्य उत्पादों को देशभर में अलग पहचान दिला सकेंगी।

छात्रावास से कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को राहत

ग्रेटर नोएडा। जिले में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इससे दूरदराज क्षेत्रों से नौकरी के लिए आने वाली महिलाओं और पढ़ाई के लिए छात्राओं को राहत मिलेगी। नोएडा, ग्रेनो और अब यमुना सिटी औद्योगिक शहरों की तर्ज पर विकसित हो रहे हैं। नोएडा और ग्रेनो में वर्तमान में 30 हजार से अधिक औद्योगिक इकाई हैं। इसके अलावा कारपोरेट ऑफिस बने हुए हैं। अब यमुना सिटी में एयरपोर्ट, फिल्म सिटी समेत कई विकास परियोजनाओं का काम चल रहा है। शहर में बड़ी संख्या में कामकाजी महिलाएं रहती हैं। बजट में छात्रावास की घोषणा से कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को आवास की सुविधा मिलेगी। छात्रावास को औद्योगिक क्षेत्रों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निजी कार्यालयों के पास स्थापित किया जाएगा। इससे नोएडा जैसे महंगे शहरों में महिलाओं और छात्राओं को आवास की तलाश मुश्किल नहीं होगी। छात्रावास के लिए पूर्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नॉलेज पार्क क्षेत्र में जमीन चिह्नित की थी। इस जमीन को लीज पर प्रशासन को दिया जाना है।

ग्रेटर नोएडा में 8 फरवरी को होगा विराट हिंदू सम्मेलन

ग्रेटर नोएडा। ओम गार्डन, जीटा-1, साकीपुर, आम्रपाली ग्रैंड के पीछे, 8 फरवरी 2026 को रविवार को एक भव्य विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे शुरू होगा और इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नारी शक्ति प्रदर्शन, काव्य पाठ, प्रमुख उद्बोधन और भारत माता आरती का विशेष आयोजन शामिल होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर स्वामी नवल किशोर दास जी महाराज, प्रवक्ता अखाड़ा परिषद दिल्ली संत महामंडल, उपस्थित रहेंगे। सभी भक्तगण और श्रद्धालु कार्यक्रम के पश्चात प्रभु का प्रसाद (भोज) ग्रहण करने के लिए सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

विकसित भारत का है ये बजट : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय बजट 2026–27 को विकसित भारत का बजट बताया है। मुख्यमंत्री ने इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट अवसरों का विस्तार करता है, विकास को गति देता है और आत्मनिर्भर, सशक्त भारत की नींव को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने रविवार को केंद्रीय वित्तमंत्री के बजट भाषण को त्रिनगर में स्थानीय लोगों और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ सुना। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा कि यह केंद्रीय बजट विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करता है। यह बजट तीन प्रमुख कर्तव्यों पर आधारित है, जिसमें आर्थिक विकास की गति तेज करना, देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करना और संसाधनों तक सभी की समावेशी पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित करना और घरेलू निर्माण तथा मैन्युफैक्चरिंग को वैश्विक स्तर की शक्ति बनाना इस बजट के मुख्य स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवाचार और विकास को भी प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि बजट में दिल्ली–वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति प्रतिबद्धता महानगरों की प्रगति को नई गति देंगे। मध्यम वर्ग के हितों की रक्षा करते हुए और भविष्य के विकास को बल देने वाला यह बजट आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विधायक तिलक राम गुप्ता, पार्षद अनीता जैन, जिला अध्यक्ष अजय खटाना उपस्थित रहे।

बजट– युवा भारत को नई उड़ान देगा यह बजट : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय के सभागार में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट 2026–27 को सुना। इसके बाद सचदेवा ने कहा कि बजट निर्माण उद्योग, पर्यटन, तीर्थ स्थलों के विकास और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने वाला बजट युवा भारत को नई उड़ान देगा। वीरेंद्र सचदेवा ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली और अन्य शहरी क्षेत्रों में विकास के अगुआ निजी बिल्डरों के ऋणों के लिए सुरक्षा कवर प्रदान करके भारत सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास में भी तेजी लाई है। इससे निर्माण उद्योग को लाभ होगा और निर्माण कार्य में वृद्धि होगी। बजट में नरेन्द्र मोदी सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने हेतु चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में हजारों रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) के विकास को बढ़ावा देकर यह बजट लाखों पेशेवरों को नया उत्साह और रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। राष्ट्रीय होटल उद्योग में वृद्धि, तीर्थ स्थलों का विकास और सांस्कृतिक संरक्षण से हजारों नए रोजगार सृजित होंगे। सचदेवा ने कहा कि खेलों और खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने वाला यह बजट युवाओं का हितैषी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित नया आयकर अधिनियम, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा, स्वागत योग्य है। वित्त मंत्री ने आम लोगों के लिए गैर–ऑडिट आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाकर बड़ी राहत प्रदान की है। कोई नया कर न लगाकर सरकार ने मध्यम वर्ग को महत्वपूर्ण राहत दी है। उन्होंने कहा कि भारत में विदेशी डेटा सेवा कंपनियों को प्रोत्साहन और समर्थन देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले गए हैं। कैंसर और सात अन्य बीमारियों की दवाओं पर सीमा शुल्क में कमी मोदी सरकार के संवेदनशील और करुणामय दृष्टिकोण को दर्शाती है। स्मार्टफोन पर छूट से युवाओं को लाभ होगा, जबकि माइक्रोवेव ओवन की कम कीमतों से गृहिणियों को फायदा होगा।

ऑपरेशन मिलाप: एक महीने में 75 लापता लोगों को परिजनों से मिलाया, 28 बच्चे सुरक्षित घर लौटे

नई दिल्ली। दक्षिण–पश्चिम जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत जनवरी 2026 के दौरान 28 लापता/अपहृत बच्चों सहित कुल 75 लापता व्यक्तियों को तलाश कर सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया। इस अभियान ने कई परिवारों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौटा दी। दक्षिण–पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने रविवार को बताया कि जैसे ही किसी बच्चे या व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली, संबंधित थाना पुलिस ने बिना देरी किए तलाश अभियान शुरू किया। स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ–साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच, ऑटो स्टैंड, ई–रिक्शा स्टैंड, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर फोटो दिखाने जैसे प्रयास किए गए। बस चालकों, कंडक्टरों, दुकानदारों और स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली गई। इसके अलावा आसपास के थानों और अस्पतालों के रिकॉर्ड भी खंगाले गए। इन समन्वित प्रयासों का नतीजा यह रहा कि 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 के बीच दक्षिण–पश्चिम जिला पुलिस ने 47 लापता वयस्कों और 28 बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिवारों को सौंप दिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार वसंत कुंज साउथ थाना क्षेत्र से सबसे अधिक 9 नाबालिग लड़कियों को खोजा गया, जबकि पालम गांव थाना पुलिस ने 6 बच्चों और 13 वयस्कों को ढूंढ निकाला। सागरपुर, किशनगढ़, कापसहेड़ा, आरके पुरम, वसंत विहार, साउथ कैंपस, दिल्ली कैंट और सरोजनी नगर सहित अन्य थानों की पुलिस टीमों ने भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन मिलाप परिवारों को फिर से जोड़ने की कोशिश है। कई मामलों में बच्चे बहकावे में घर छोड़कर चले गए थे, तो कुछ वयस्क निजी कारणों से लापता हो गए थे। पुलिस टीमों ने संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए सभी को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया।

आठ साल से फरार हत्या का आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के एक मामले में आठ साल से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2018 में सीमापुरी थाना क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में वांछित था और लगातार गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था। पकड़े गए आरोपित की पहचान अशोक के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की नॉर्थ रेंज–II टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर हरियाणा के फरीदाबाद से आरोपित को दबोचा है। आरोपित के खिलाफ सीमापुरी थाने में दर्ज हत्या, रात में घर में घुसकर अपराध और आपराधिक साजिश जैसी गंभीर धाराएं लगी हुई हैं। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक 30 और 31 अक्टूबर, 2018 की दरम्यानी रात न्यू सीमापुरी इलाके में चोरी की नीयत से आरोपित अपने साथियों के साथ एक मकान में घुसा था। चोरी के दौरान घर का मालिक संजय जाग गया और उसने विरोध किया। इसी दौरान आरोपितों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आरोपित भूमिगत हो गया, जबकि उसके अन्य साथी गिरफ्तार कर लिए गए थे।

केंद्रीय बजट में दिल्ली पुलिस के लिए 12,503 करोड़ रुपये आवंटित

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2026–27 में दिल्ली पुलिस के लिए 12,503.65 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की गयी है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 4.79 प्रतिशत अधिक है। इस कोष का इस्तेमाल नियमित खर्चों और विभिन्न योजनाओं के लिए किया जाएगा, जिसमें एनसीआर क्षेत्र में एक आदर्श यातायात प्रणाली का विकास और एक उन्नत संचार नेटवर्क का विकास शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यातायात प्रबंधन समेत कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस जिम्मेदार है। संचार अवसंरचना का उन्नयन, नवीनतम तकनीक का समावेश, यातायात सिग्नल लगाना और कर्मियों को प्रशिक्षण देना भी इसके दायित्व का हिस्सा है। चालू वित्त वर्ष 2025–26 के लिए दिल्ली पुलिस को आवंटित बजट 11,931.66 करोड़ रुपये था, जिसे आगामी वित्त वर्ष के लिए बढ़ाकर 12,503.65 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इससे

पहले, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''इसमें हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ है, खासकर युवाओं के लिए रोजगार सृजन, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और विकास, खेलकूद, विदेशों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने पर छूट आदि।''

ट्रैफिक पुलिस को ब्लैकमेल करने वाला गैंग बेनकाब, दो और आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों से उगाही करने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो अलग–अलग मामलों में ट्रैफिक धोखाधड़ी और उगाही सिंडिकेट से जुड़े दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके साथ अब तक इस नेटवर्क से जुड़े कुल 10 आरोपित, जिनमें गैंग लीडर जीशान अली और राजकुमार उर्फ राजू मीणा शामिल हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि पहली कार्रवाई में अमीर चौधरी उर्फ सिकंदर को गिरफ्तार किया गया है, जो पहले से गिरफ्तार किंगपिन जीशान अली का करीबी सहयोगी है। यह गिरोह ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी के दौरान चोरी–छिपे वीडियो बनाता था और बाद में उन्हें ब्लैकमेल कर मोटी रकम वसूलता था। दूसरी कार्रवाई में संजय गुप्ता को दबोचा गया, जो कुख्यात गैंग लीडर राजकुमार उर्फ राजू मीणा का साथी है। पुलिस के अनुसार संजय को ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के वीडियो रिकॉर्ड करने और उन्हें एडिट कर झूठे आरोपों

के साथ उगाही करने की ट्रेनिंग दी गई थी। आरोपित इन वीडियो के जरिए विभागीय कार्रवाई, निलंबन और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे वसूलते थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पहला मामला अप्रैल 2025 में तब सामने आया, जब एक कमर्शियल वाहन ने फर्जी ''03 मार्च'' स्टिकर लगाकर चेकिंग से बचने की कोशिश की। जांच के दौरान व्हाट्सऐप ग्रुप्स और डिजिटल सबूतों से एक संगठित अपराध सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ। इस केस में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दूसरा मामला दिसंबर 2025 में दर्ज किया गया, जिसमें 2015 से सक्रिय आदतन अपराधी राजकुमार उर्फ राजू मीणा और उसके साथियों पर मकोका सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ। इस गिरोह ने वर्षों तक ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर अवैध रूप से बड़ी रकम वसूली। पुलिस ने बताया कि अमीर चौधरी को एक सरकारी कर्मचारी से उगाही की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। उसके पास से 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। वहीं संजय गुप्ता के पास से एक मोबाइल फोन और कूरियर रसीदें मिली हैं।

मंगोलपुर खुर्द में टैक्स व नगर निगम मुद्दों को लेकर हुई पंचायत

बजट में प्रस्तावों पर जताया आभार, गांवों को पूर्ण राहत की मांग

नई दिल्ली। मंगोलपुर खुर्द गांव में आज हाउस टैक्स एवं नगर निगम से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर एक महत्वपूर्ण पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता बिजेंदर पहलवान ने की। पंचायत में दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव, पालम 360 गांव खाप के अध्यक्ष रामकुमार सोलंकी, साइकिल संस्था के अध्यक्ष पारस त्यागी, युवा सभा दिल्ली 360 गांव अध्यक्ष विजयमान, मंगोलपुर खुर्द गांव के गौरव शौकीन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पंचायत में दिल्ली के लगभग 25 गांवों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इनमें हरज्ञान (सुल्तानपुर), संजय शौकीन (पुठकला), मंगोलपुर बालकिशन, रविंदर शौकीन सहित अन्य गांवों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस अवसर पर दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने पंचायत को अवगत कराया कि दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्षा सत्या शर्मा द्वारा आगामी बजट में गांवों के 200 वर्ग मीटर (ढाई सौ गज) तक के आवासीय प्लॉट को हाउस टैक्स से मुक्त रखने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही इस श्रेणी के प्लॉट पर केवल

व्यावसायिक एरिया पर ही हाउस टैक्स लगाने तथा भवन उपनियमों में गांवों को राहत देने की पहल का प्रस्ताव रखने पर पंचायत ने इस सकारात्मक पहल का सर्वसम्मति से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। पंचायत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि वैल्यूएशन कमेटी में दिल्ली देहात के गांवों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। साथ ही गांवों को हाउस टैक्स, पार्किंग चार्ज, कन्वर्जन चार्ज एवं अन्य सभी प्रकार के टैक्सों से पूर्ण रूप से मुक्त किया जाए। पंचायत ने यह भी मांग की कि गांवों को रोजगार सृजन के उद्देश्य से व्यावसायिक श्रेणी में रखा जाए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। पंचायत में यह निर्णय भी लिया गया कि नगर निगम बजट पास होने के बाद 15 फरवरी को एक और पंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बजट में शिक्षा को बड़ी प्राथमिकता, हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल और 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप का प्रस्ताव: प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026–27 पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि और वित्त मंत्री के कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है, जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़े हुए आवंटन पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। प्रधान ने बताया कि इस बार शिक्षा क्षेत्र का बजट पिछली तुलना में बढ़ाया गया है। वित्त वर्ष 2025–26 में जहां शिक्षा के लिए 1 लाख 28 हजार 650 करोड़ रुपये का प्रावधान था, वहीं बजट 2026–27 में इसे बढ़ाकर 1 लाख 39 हजार 289 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो करीब 8.27 प्रतिशत की वृद्धि है। यह बढ़ोतरी सरकार की शिक्षा को लेकर प्राथमिकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। सेक्टरल वाइस एनालिसिस में

शिक्षा बजट को छठा प्रमुख स्थान मिला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में लड़कियों की एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में भागीदारी और दक्षता विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। इस उपलब्धि को और आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने राज्यों के सहयोग से देश के प्रत्येक जिले में एक–एक गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह महिला सशक्तीकरण और महिला शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उच्च शिक्षा के एसटीईएम संस्थानों में पढ़ाई और लैब कार्य के लंबे समय के चलते छात्राओं को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन्हें ध्यान में रखते हुए वीजीएफ/कैपिटल सपोर्ट के माध्यम से यह व्यवस्था की जाएगी। प्रधान ने बताया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों को चैलेंज रूट के तहत प्रतिस्पर्धा करनी होगी और निर्धारित शर्तों को पूरा करना होगा। इसी क्रम में बजट में प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है। इन टाउनशिप्स में कई विश्वविद्यालय, कॉलेज, शोध संस्थान, स्किल सेंटर और आवासीय परिसरों के साथ रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप का एक समग्र इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बजट में 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' पर केंद्रित एक उच्चस्तरीय स्थायी समिति के गठन का भी प्रस्ताव है, जो सेवा क्षेत्र को विकसित भारत का प्रमुख इंजन बनाने के लिए सुझाव देगी। इसके अलावा, पूर्वी भारत में नए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन की स्थापना और खगोल भौतिकी एवं खगोल विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए चार टेलीस्कोप इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के विकास का भी प्रावधान किया गया है।

आम बजट: विकसित भारत @2047 की दिशा में एक दूरदर्शी, समावेशी और निर्णायक दस्तावेज: खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को लोकसभा में पेश वित्त वर्ष 2026–27 के आम बजट को दूरदर्शी सोच, व्यावहारिक नीतियों और आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट समन्वय करार दिया है, जो भारत को विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ाएगा।

खंडेलवाल ने केंद्रीय बजट 2026–27 को एक प्रामाणिक और वास्तविक रूप से समावेशी दस्तावेज बताते हुए कहा कि बजट के विभिन्न प्रावधानों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वदेशी' आह्वान से सीधा जुड़ाव भारत के निर्यात को नई मजबूती देगा और भारतीय उत्पादों के लिए नए वैश्विक बाजार खोलने में सहायक सिद्ध होगा। कैट महामंत्री ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के

सशक्त, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व का सशक्त प्रतिबिंब है, जिनके मार्गदर्शन में भारत वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। यह बजट अपने समावेशी दृष्टिकोण, ठोस कार्ययोजना और स्पष्ट दिशा के माध्यम से देश की आर्थिक नींव को और अधिक मजबूत करता है। खंडेलवाल ने कहा, ''यह बजट देश के व्यापारियों, उद्यमियों, निवेशकों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए आत्मविश्वास से भरा सकारात्मक संदेश देता है। आर्थिक विकास के साथ समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने की भावना इस बजट को विशिष्ट बनाती है।'' एमएसएमई क्षेत्र पर विशेष बल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में आसान ऋण उपलब्धता, अनुपालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण, डिजिटल सशक्तिकरण, तकनीकी उन्नयन तथा औपचारिकरण को प्रोत्साहन जैसे प्रावधान छोटे उद्योगों और व्यापारियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, ''एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बजट में एमएसएमई के लिए की गई घोषणाएं रोज़गार सृजन, उद्यमिता को प्रोत्साहन और भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक साबित होंगी।'' खंडेलवाल ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास, लॉजिस्टिक्स की दक्षता, विनिर्माण, निर्यात, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उपभोग आधारित विकास पर निरंतर ध्यान देने से देश के व्यापार और वाणिज्य को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''यह बजट आत्मनिर्भर, प्रतिस्पर्धी और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह देश की आर्थिक बुनियाद को और सुदृढ़ करते हुए विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।''

संपादकीय

बजट: भविष्य की अर्थ व्यवस्था मजबूत करने की कोशिश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज अपना 9वां और मोदी सरकार का 15वां पूर्ण बजट पेश करते हुए देश की विकास यात्रा, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और जनता के विश्वास को दोहराया। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा पर बड़ा फोकस दिखा। हालांकि, मध्यम वर्ग और आम आदमी को तुरंत मिलने वाली राहत सीमित रही। क्योंकि इनकम टैक्स स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया।बजट में सरकार ने बुनियादी ढांचे के लिए 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कैपिटल एक्सपेंडिचर का प्रावधान किया है। सड़कों, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, मेट्रो, जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। सरकार ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखने और ऋण जीडीपी अनुपात घटाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। जो इस बात का संकेत है कि बजट लोकप्रिय घोषणाओं से ज्यादा आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित है। बॉयो फार्मा श्रेत्र विकसित करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के प्रावधान की घोषणा की गई। बजट में स्वास्थ्य को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। कैंसर की 17 दवाओं को सस्ता किया गया है। डायबिटीज और गंभीर बीमारियों से जुड़ी कुछ दवाओं पर टैक्स में कटौती की गई है। मेडिकल रिसर्च और मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त फंडिंग का ऐलान किया गया। निजी क्षेत्र के सहयोग से 5 क्षेत्रीय रीजनल मेडिकल हब बनाए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में कोल्ड-चेन, वेयरहाउस और एग्री टेक को बढ़ावा देने के संकेत मिले हैं। ग्रामीण रोजगार, स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत करने की बात कही गई है। हालांकि किसानों को तुरंत नकद राहत की कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। फिलहाल इस बजट को कम राहत, ज्यादा रफ्तार वाला बजट कहा जा सकता है। आम आदमी को तुरंत बड़ी राहत भले न मिली हो, लेकिन सरकार ने भविष्य की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और मानव संसाधन पर बड़ा दांव खेला है। इसका वास्तविक असर आने वाले वर्षों में रोजगार, विकास और जीवन स्तर में सुधार के रूप में देखने को मिल सकता है। कहा जा सकता है कि यह बजट आम आदमी की तत्काल अपेक्षाओं से कम, लेकिन देश की दीर्घकालिक जरूरतों के ज्यादा करीब है। जिसमें "विकसित भारत 2047" विजन को आगे बढ़ाने की कोशिश दिखाई देती है।

संतुलन की रस्सी पर बजट 2026

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी, लेकिन वैश्विक आर्थिक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। बजट ने राजकोषीय घाटे को सख्ती से 4.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखा, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को 96,654 करोड़ रुपये तक सीमित किया गया, जो जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है। पूंजीगत व्यय पर 12.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन को नई गति देगा। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो संघीय ढांचे को मजबूत करेगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है—निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं।

- डॉ० प्रियंका सौरभ

1 फरवरी 2026 को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सरकार आर्थिक अनुशासन और जनता की आकांक्षाओं के बीच संकरी राह पर चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाषण की शुरुआत ही स्थिरता, निरंतरता और दीर्घकालिक विकास की सोच से की। कोई अप्रत्याशित लोकलुभावन घोषणाओं का धमाका नहीं हुआ, बल्कि बजट ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया। राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत रखा गया, जो पूर्व निर्धारित 4.5 प्रतिशत लक्ष्य से भी नीचे है। यह कदम वित्तीय अनुशासन की मजबूत मिसाल पेश करता है। पूंजीगत व्यय को पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह बढ़ोतरी बुनियादी ढांचे, शहरी विकास परियोजनाओं और डिजिटल तकनीक क्षेत्रों पर केंद्रित है। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी, लेकिन वैश्विक आर्थिक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। बजट ने राजकोषीय घाटे को सख्ती से 4.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखा, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को 96,654 करोड़ रुपये तक सीमित किया गया, जो जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है। पूंजीगत व्यय पर 12.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन को नई गति देगा। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण

पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो संघीय ढांचे को मजबूत करेगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है—निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये विशाल निवेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करेंगे, या केवल महानगरों की चकाचौंध तक सीमित रहेंगे? मध्यम वर्ग, जो देश की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है, को इस बजट में ठोस कर राहत मिली है। पुरानी कर व्यवस्था में मानक कटौती को 50,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह और अधिक उदार है। नई कर व्यवस्था में स्लैबों को सरल बनाया गया—5 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर। शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया (10 लाख रुपये तक), जबकि किराया टीडीएस सीमा को 2.4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया। दो स्व-व्यवहृत आवासीय संपत्तियों पर कर राहत का प्रावधान, आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष किया गया। कर संहिता को 819 धाराओं से घटाकर 536 धाराओं में सरलीकृत करने का वादा सराहनीय है। ये कदम करदाता को राजस्व का मात्र स्त्रोत न मानकर भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाना होगा, वरना ये राहतें कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह सकती हैं।

कृषि क्षेत्र, जो अभी भी 18 प्रतिशत जीडीपी और 65 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का आधार है, पर बजट ने विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को 100 जिलों में विस्तारित किया गया, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, सिंचाई और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर। पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाई गई। मत्स्य पालन विकास के लिए अंडमान-लक्षद्वीप में आर्थिक क्षेत्र घोषित, फल-सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रावधान। मनरेगा बजट में वृद्धि, ग्रामीण क्रेडिट स्कोरिंग प्रणाली से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ऋण सुगम। चमड़ा-फुटवियर और खिलौना उद्योगों से 22 लाख नए रोजगार का अनुमान है। ये प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगे, लेकिन वास्तविक परीक्षा यही होगी कि क्या ये योजनाएं कागजों से निकलकर खेतों, बाजारों तक पहुंच पाएंगी। छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलना चाहिए, न कि बड़े जमींदारों तक सीमित रहना चाहिए। महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए लक्ष्मी वंदना योजना का विस्तार, स्वरोजगार ऋण पर गारंटी हटाई गई (20 लाख तक)। शहरी महिलाओं के लिए घर-आधारित कार्य को कर छूट का लाभ। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां महिला आरक्षण 50 प्रतिशत है, वास्तविक नेतृत्व को बढ़ावा देगा। ये कदम लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पंचायत स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी होगा।

देश की 60 प्रतिशत युवा आबादी (35 वर्ष से कम) को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट, जिसमें 50 नए आईआईटी और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्किल इंडिया कार्यक्रम को 2 लाख करोड़ रुपये, इंटर्नशिप योजना से 5 करोड़ युवाओं को प्रतिमाह 1 लाख रुपये स्टाइपेंड। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सहायता, रोजगार-केंद्रित विकास मॉडल। बेरोजगारी दर को 8 प्रतिशत से नीचे लाने का दृढ़ संकल्प दिखता है। स्टार्टअप इंडिया फंड को 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा। लेकिन सवाल वही है—क्या ये प्रयास नौकरियों का अवसर बनेंगे, या युवा पीढ़ी नौकरी के पीछे भटकती रहेगी?

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापना, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से 2 लाख करोड़ राजस्व लक्ष्य। डिजिटल इंडिया को 1 लाख करोड़ रुपये। स्वच्छ ऊर्जा पर 5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान—सौर पार्क, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर 100 प्रतिशत बीमा, जन विश्वास विधेयक 2.0 से 100 से अधिक पुराने कानून सरलीकृत। ये कदम भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन को पाटना होगा ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी तकनीक से वंचित न रहें। अंत में, चुनौतियां भी कम नहीं। मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत पर नियंत्रित रखना, खाद्य महंगाई पर अंकुश। रक्षा बजट 6.5 लाख करोड़ रुपये से सीमा सुरक्षा मजबूत।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

- डॉ. सत्यवान सौरभ

ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार- यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद या शायद इसी कारण मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है।

आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी- सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सतविचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाज़ें चिल्ला रही हैं-कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स- हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज़ सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता- ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं। हम बोलना जानते हैं पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी समझ पाते हैं।

संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार- विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है। विज्ञान ने निःस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता- इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी पर संयम नहीं सिखाया। गति दी पर विराम नहीं। साधन दिए पर मर्यादा नहीं। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है और विवेक का विकास मशीनों से नहीं मानवीय मूल्यों से होता है। हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज़ है पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं सुनने की कला बनाना होगा।

जीवन में पवित्रता की कसौटी

तुम कोई अच्छी किताब पढ़ कर एक-आध नेक विचार सोच लेते हो, पर यह कोई मायने नहीं रखता। किताब पढ़ कर तुम यह नहीं कह सकते कि तुम एक भले और नेक इनसान बन गये हो। जो भी किताब पढ़ोगे उससे प्रभावित तो होगे ही। बुद्ध, क्राइस्ट, विवेकानंद और सत्यानंद तो सही बात कहते ही हैं, उनके विचार नेक हैं ही। लेकिन क्या तुम भी वैसा अनुभव कर सकते हो? आध्यात्मिक जीवन में यह सवाल अक्सर उठता है कि हृदय की शुद्धि, दिल की सफाई कहते किसको हैं ? यह कैसे पता चलेगा कि हमारा दिल साफ है या नहीं? रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे- जहां गंदगी होती है, वहां मक्खी अपने आप आती है। जहां मीठा होता है, वहां चींटी अपने आप आती है। जहां संपत्ति होती है, वहीं चोर आता है। और जहां सुंदर बगीचा, सुंदर तालाब, सुंदर फूल, बड़ा अच्छा सुरम्य ललित वातावरण होता है, वहां सब लोग अपने आप आते हैं। हृदय भी ऐसा होना चाहिए। दिल और दिमाग दो अलग चीजें हैं। दिल कहते हैं भावना को और दिमाग कहते हैं विचार को। विचार दिमाग से पैदा होता है और भावना हृदय से। लेकिन भावना दिमाग को भी प्रभावित करती है। अगर तुम्हारे अंदर भय, निंदा, हिंसा, काम, क्रोध या ईर्ष्या जैसे बुरे विचार आते हैं, तो समझ लो किजरूर तुम्हारी भावना में गड़बड़ है। अगर तुम्हारा हृदय शुद्ध है, तो तुम्हारे विचार भी वैसे ही शुद्ध और मलिनता से मुक्त होंगे। यही जीवन में पवित्रता की कसौटी है। तुम कोई अच्छी किताब पढ़ कर एक-आध नेक विचार सोच लेते हो, पर कोई मायने नहीं रखता। किताब पढ़ कर तुम नहीं कह सकते कि एक भले और नेक इनसान बन गये हो। जो भी किताब पढ़ोगे उससे प्रभावित तो होगे ही। बुद्ध, क्राइस्ट, विवेकानंद और सत्यानंद तो सही बात कहते ही हैं, उनके विचार नेक हैं ही। लेकिन क्या तुम भी वैसा अनुभव कर सकते हो? दिमाग नहीं, हृदय भावना ही भक्ति का आधार होते हैं। बिना भावना के भक्ति हो ही नहीं सकती। बिना भावना के काम-वासना, क्रोध, भय, ईर्ष्या, सुख-दुख या चिंता हो ही नहीं सकती। इसका मतलब यह हुआ कि अशुभ रास्ते से जाने वाली भावना को ही शुभ मार्ग की ओर ले जाना है। यह जो वासना की नदी बह रही है, इसको शुभ मार्ग की ओर ले जाओ और शुभ मार्ग पर नियोजित करे क्षीण करो। इसी वासना की नदी को हम भावना बोलते हैं। इसको किसी ने देखा तो नहीं है, पर अनुभव जरूर हुआ है। अब इस नदी को हमलोग नियोजित करते हैं, इसका मार्ग बदलते हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1509 - भारत में दीव (गोआ, दमन और दीव) के पास पुर्तगाल व तुर्किये के बीच युद्ध हुआ।
1556 - चीन के शैन्सी प्रांत में आये विनाशकारी भूकंप में करीब आठ लाख तीस हजार लोगों की मौत हुई।
1626 - चार्ल्स प्रथम इंग्लैंड के सम्राट बने।
1788 - देश में प्रशासनिक सुधारों के लिये पिट्स नियामक अधिनियम को लागू किया गया।
1814 - कलकत्ता (अब कोलकाता) संग्रहालय की स्थापना हुई।
1862 - शंभूनाथ पंडित कलकत्ता उच्च न्यायालय के पहले भारतीय न्यायाधीश बने।
1878 - यूनान ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1890 - अमेरिकन एक्टर चार्ल्स कोरोल का जन्म हुआ।
1892 - रशिया ने कैलिफ़ोर्निया में 'फ़र ट्रेडिंग कॉलोनी' की स्थापना की।
1901 - क्वीन विक्टोरिया का अंतिम संस्कार हुआ।
1913 - न्यूयार्क में 'ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल' की ओपनिंग हुई।
1920 - फ्रांस ने मैमेल पर कब्ज़ा किया।
1922 - जेम्स जॉयस का लिखा उपन्यास 'यूलिसिस' पहली बार प्रकाशित किया गया।
1939 - हंगरी ने सोवियत संघ के साथ संबंध समाप्त किये।
1952 - मद्रास में भारत ने पहला टेस्ट क्रिकेट जीता।
1953 - अखिल भारतीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड का गठन किया गया।
1966 - पाकिस्तान ने 'कश्मीर समझौते' के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया।
1982 - सीरिया ने हामा पर आक्रमण किया।
1990 - अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पर 30 वर्ष पूर्व लगा प्रतिबंध हटाया गया।
1992 - अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश एवं रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन द्वारा शीत युद्ध की समाप्ति की घोषणा।
1997 - चीन तथा सं.रा. अमेरिका के बीच वस्त्र व्यापार विवाद को समाप्त करने हेतु समझौता।
1999 - आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्न्यास।
2001 - भारतीय नौसेना के सी किंग हेलिकाप्टरों के लिए अमेरिकी कलपुर्जों की बिक्री को अनुमति।

आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी ताकतों ने एक बार फिर प्रयास किया। यूजीसी के नये नियमों के माध्यम से जातिगत संघर्ष की स्थितियां पैदा कर दी। समूचे देश में आन्तरिक कलह का शंखनाद हो उठा। नेपाल, बांगलादेश जैसे देशों में भी इसी तरह से सरकार का तख्ता पलट करवाने की सफल कोशिशें की जा चुकीं हैं। देश के मीरजाफरों को चिन्हित करके उन्हें भौतिक सुविधाओं, संसाधनों और उज्जवल भविष्य की मृगतृष्णा के पीछे दौडा जाता रहा है। इस सोच से जकडे लोग अब मीरजाफर की तात्कालिक घटनाओं और उनकी कष्टप्रद परिणति को नजरंदाज करके अपने आकाओं की गुलामी करने में ही अपना, परिवार का और स्वजनों का भला देखने लगे हैं।

इन भितरघाती मीरजाफरों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। विदेशी खुफिया एजेन्सियों से लेकर डीपस्टेट के संचालकों तक ने भारत के कोने-कोने में अपने स्लीपर सेल तैयार कर रखे हैं। अभी तक विपक्ष के लोगों पर ही मीरजाफर होने के आरोप लगते रहे हैं परन्तु इस बार तो सत्ता पक्ष के भितरघातियों ने ही अपने गोरे आकाओं के इशारे पर देश का वातावरण रक्तरंजित करने हेतु आधार तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है। हालातों की समीक्षा करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत के अन्दर सभी प्रमुख क्षेत्रों में भितरघातियों की एक बडी संख्या मौजूद है जो अवसर मिलते

ही राष्ट्र को गुलामी की बेडियों में जकडने हेतु चलाये जा रहे सीमापार के षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने में जुट जाते हैं। विकास के पथ पर सरपट दौड रहे देश को आन्तरिक संघर्ष की आग में झौंकने हेतु जातिगत मुद्दे की आंधी चलाई गयी। उच्च शिक्षा में समानता लाने के दांत दिखाकर हाथी ने अन्दर के षडयंत्रकारी दांतों से देश को चबाने की शुरुआत कर दी है जिसे फिलहाल न्यायालय ने टाल दिया है मगर वह समाप्त नहीं हुआ है। इधर खाई उधर कुंआ जैसी स्थिति सुरसा का मुंह बनकर जस की तस खडी है। शंकाओं को बादल मडरा रहे हैं। शक्ति संकलन के प्रयास किये जा रहे हैं। जोर आजमाइस के दावपेंचों के प्रशिक्षण निरंतर चल रहे हैं। आतंक की नई परिभाषायें गढी जा रहीं हैं। हकीकत तो यह है कि पडोसी देशों की तर्ज पर जेन-जी को मोहरा बनाकर भारत की तेजी से बढती साख को तार-तार करने वाले अब इंशा अल्लाह के नारे नहीं लगवा रहे हैं बल्कि राम-राम और राधे-राधे में भेद पैदा करवाने के बाद अब भगवान और भीम के बीच खाई तैयार करने में जुट गये हैं। साम्प्रदायिक मुद्दे पर लडे गये बिहार चुनाव के परिणामों को देखते हुए निकट भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए जातिगत मुद्दों को हवा देने का काम शुरू हो गया है ताकि बंटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों को निष्क्रिय किया जा सके। जातिगत संगठनों को सक्रिय करके वंशवाद की निष्ठा को तीव्रतम करने की कोशिशें होने लगीं हैं।

सवर्ण बनाम अन्य की स्थितियां पैदा की गईं। दूसरी ओर प्रयागराज में कथित शंकराचार्य और वहां पर तैनात कुछ खास अधिकारियों के मध्य अनावश्यक विवाद पैदा करवाकर एक नयी समस्या को जन्म दे दिया गया ताकि सनातन परम्परा, हिन्दू व्यवस्था और शाश्वत दर्शन को अपभ्रंश की गई किताबों के माध्यम से एक बार पुनः विकृत किया जा सके। हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि चौराहों से लेकर चौपालों तक केवल और केवल सनातन के स्वरूप, उसके सिद्धान्त और वर्तमान मान्यताओं पर ही चर्चा होने लगी है। सनातन परम्परा के अनुयायियों को ही विभक्त करके भाई-भाई के आपसी युद्ध हेतु रणभूमि तैयार की जा रही है। वास्तविकता के अनजान लोगों को कथित धर्माचार्यों द्वारा जाति के महात्व, रक्त के वंशसूत्र और मृत्यु के उपरान्त के परिणामों की मनमानी व्याख्याओं से बरगलाया जा रहा है। व्यक्तिगत प्रतिभा के आधार पर निर्धारित की गई वर्ण व्यवस्था को हाशिये पर पहुंचाकर जन्म के आधार पर नये समाज की रचना करने वाले चन्द चालाक लोगों ने हजारों साल पहले समसामयिक परिस्थितियों में विष पौध का रोपण किया था जो आज जहरीली बाड बनकर अपने ही खेत को खाने की तैयारी में है। पैत्रिक विरासत में मिले हुनर को तुच्छ मानकर चाकरी की ओर अंधी दौड लगाने वालों को सरकारी गुलामी के बदलते स्वरूप ने खासा आकर्षित किया है। लोक सेवकों के रूप में नियुक्त लोगों ने स्वयं को शासक घोषित कर लिया है जिसके फलस्वरूप चाकरी, गुलामी और बंधनकारी सेवा का मासूम चेहरा अब शासन, मनमानी और निरंकुशता की कठोरता में परिवर्तित हो चुका है। अयोग्य, अकर्मण्य और अलाल लोगों की नियत अब सरकारी सेवा का मेवा खाने और सेवा के बाद भी मृत्यु के अन्तिम क्षणों तक करदाताओं की कमाई पर ऐश करने की हो चुकी है। इसमें अपवाद भी हैं जिन्हें झुठलाया नहीं जा सकता परन्तु उनकी संख्या इतनी कम है कि उनको ढूंढना असम्भव नहीं तो बेहद कठिन अवश्य है। जातिगत खाई गहराने में राजनैतिक दलों का भरपूर योगदान रहा है जिसे जातिगत संगठनों ने अपनी कट्टरता से सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। वर्तमान समय में सत्ताधारी दलों के अन्दर भी जातिगत मुद्दे हावी होते जा रहे हैं। पक्षपात का नये युग शुरू हो चुका है। चारों ओर परिवारवाद, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद जैसे दावानल मुंह फाडे खडे हैं। ऐसे में आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना। धरातल पर यह हो भी रहा है।

पंडित शू स्टोर, अहिरवार भोजनालय, खान सब्जी मर्चेन्ट, कुशवाहा जनरल स्टोर, सिंह रेस्टोरेन्ट जैसे बोर्ड बाजारों में लगे देखे जा सकते हैं। बीसवीं शताब्दी में विचार क्रान्ति अभियान के माध्यम से अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने जातिगत विभेद समाप्त करके समस्त सनातनियों को वैदिक कर्मकाण्ड कराने का अधिकार दिया था। जातिगत और लिंगगत विभाजन को तिलांजलि देकर गायत्री परिवार ने हमेशा ही कथित शोषित जातियों तथा महिलाओं को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया जिनके निर्देशन में सामान्य जातियों ने वैदिक कर्मकाण्ड सम्पन्न किये। योग्यता को पुरस्कार, अभावग्रस्तों को सुविधायें और सभी को समान अवसर प्रदान किये बिना न तो देश का विकास सम्भव है और न ही सौहार्द पूर्ण वातावरण का निर्माण। इस हेतु आम आवाम को विचार क्रान्ति अभियान जैसे सूत्रों को जीवन में उतारना होगा और बदलना होगी तुच्छ मानसिकता, संकीर्ण सोच और सिद्धान्तविहीन आकांक्षायें। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

राष्ट्रपति ने अमृत उद्यान के शीतकालीन संस्करण का किया उद्घाटन

तीन फरवरी से आम जनता के लिए खुलेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान के शीतकालीन वार्षिक संस्करण 2026 का उद्घाटन किया। अमृत उद्यान आम जनता के लिए 3 फरवरी से 31 मार्च तक खुला रहेगा। उद्यान में सप्ताह में छह दिन मंगलवार से रविवार तक, पूर्वाह्न 10 बजे से सायं 6 बजे तक (अंतिम प्रवेश सायं 5 बजे) भ्रमण किया जा सकेगा। रखरखाव कार्य के कारण प्रत्येक सोमवार को उद्यान बंद रहेगा। इसके अतिरिक्त 4 मार्च को होली पर्व के कारण भी उद्यान बंद रहेगा। विशेष वर्गों के लिएः अमृत उद्यान 3 मार्च को रक्षा कर्मियों के लिए, 5 मार्च को वरिष्ठ नागरिकों के लिए, 10 मार्च को महिलाओं एवं जनजातीय महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए तथा 13 मार्च को दिव्यांगजनों के लिए खोला जाएगा। विज़िटर के अनुभव को बेहतर बनाने के मकसद से इस साल मौके पर बुकिंग की सुविधा नहीं मिलेगी। विज़िटर सिर्फ़ ऑनलाइन तरीके से टिकट बुक कर सकते हैं। इसलिए, विज़िटर को सलाह दी जाती है कि वे अपने स्लॉट पहले से ऑनलाइन बुक कर लें। उन्हें टिकट पर बताए गए टाइमलाइन और दूसरे निर्देशों के पालन की भी सलाह दी जाती है। किसी खास दिन के लिए बुकिंग पिछले दिन सुबह 10.00 बजे बंद हो जाएगी। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है किंतु प्रवेश अनुमति केवल ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। इस साल मौके पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। इसलिए, आगुंतकों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकर कर अपने स्लॉट पहले से बुक कर लें। किसी भी दिन के लिए पंजीकरण पिछले दिन पूर्वाह्न 10 बजे बंद कर दिया जाएगा। सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश एवं निकास राष्ट्रपति भवन परिसर के द्वार संख्या 35 से होगा, जो नॉर्थ एवेन्यू के समीप स्थित है। आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से द्वार संख्या 35 तक शटल बस सेवा प्रत्येक 30 मिनट में उपलब्ध रहेगी। यह सेवा पूर्वाह्न 9.30 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित होगी। अंतिम शटल बस सायं 4 बजे प्रस्थान करेगी। आगंतुकों के लिए निर्धारित भ्रमण मार्ग बाल वाटिका, प्लूमेरिया गार्डन, बरगद गार्डन, बोन्साई गार्डन, कलकल करती जलधारा, केंद्रीय लॉन, लॉन्ग गार्डन तथा सर्कुलर गार्डन से होकर गुजरेगा। इस वर्ष आगंतुक विभिन्न प्रजातियों के ट्यूलिप और गुलाबों के साथ-साथ झरनों की जलधारा तथा रिफ्लेक्सोलॉजी पाथ से सुसज्जित बरगद गार्डन का भी अवलोकन कर सकेंगे। आगंतुक अपने साथ मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्स अथवा हैंडबैग, पेयजल की बोतलें तथा शिशुओं के लिए दूध की बोतलें ले जा सकते हैं। सार्वजनिक मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर पेयजल, शौचालय तथा प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अमृत उद्यान के अतिरिक्त नागरिक राष्ट्रपति भवन तथा राष्ट्रपति भवन संग्रहालय का भी मंगलवार से रविवार तक भ्रमण कर सकते हैं। साथ ही, प्रत्येक शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित होने वाले चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी को भी देख सकते हैं।

बजट निराशाजनक, देश को भाजपा से कोई उम्मीद नहीं: विपक्ष

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने केंद्रीय बजट को सभी वर्गों के लिए निराशाजनक करार देते हुए रविवार को कहा कि देश को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कोई उम्मीद नहीं है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने यह दावा भी किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण भी पारदर्शी नहीं रहा क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों एवं योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन की जानकारी नहीं दी गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''(बजट संबंधी) दस्तावेज़ों का विस्तृत अध्ययन करना अभी बाकी है, फिर भी 90 मिनट (के भाषण के) बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि बजट को लेकर जो उम्मीदें की गई थीं, उन पर यह पूरी तरह खरा नहीं उतरता। यह पूरी तरह फीका और निराशाजनक रहा।''

उन्होंने दावा किया, ''भाषण भी पारदर्शी नहीं था, क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी गई।'' कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह बजट आम लोगों के लिए नहीं, बल्कि बड़े कॉरपोरेट के लिए है। उन्होंने यह दावा भी किया, ''यह बजट केरल के लिए पूरी तरह निराशाजनक है। पिछले 10 वर्षों से केरल के लिए एम्स को लेकर वादे किए जा रहे हैं, लेकिन इस बजट में इसका कोई उल्लेख नहीं है।'' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बजट को लेकर तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो लोगों को लोहे पर पीतल चढ़ाकर गहने पहनने पड़ेंगे। उन्होंने दावा किया, ''बुनियादी मुद्दे, शिक्षा और स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ किया गया है... अगर हम सच में विकसित भारत का सपना देखना चाहते हैं, तो हमें शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत ज़्यादा बजट देना होगा। यह समझ से बाहर का बजट है। सिर्फ सपने दिखाने वाला बजट है।'' यादव ने कहा, ''जब भाजपा से उम्मीद नहीं है तो फिर बजट से क्या उम्मीद करेंगे। आम जनता को निराशा किया है। किसी को राहत देने वाला बजट नहीं है। यह सिर्फ पांच प्रतिशत लोगों के लिए बजट है।''

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि वित्त मंत्री ने 85 मिनट का बजट भाषण दिया, लेकिन एक बार भी पश्चिम बंगाल का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, ''बजट किसान, युवाओं और रोजगार सृजन को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई। किसी समुदाय के लिए कोई समाधान नहीं दिया गया। यह बजट आधारहीन है और इसमें कोई दृष्टिकोण भी नहीं है।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और उसके मंत्री बंगाल को बांग्लादेश के नजरिये से देखते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा, जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने साथ ही देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की।

पलामू में अंधविश्वास के चलते परिवार के तीन लोगों की टांगी से हत्या, एक बच्ची गंभीर घायल

पलामू। झारखंड में पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार तड़के करीब 4 बजे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की टांगी से हत्या कर दी गई, जबकि हमले में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल 15 वर्षीय ममता कुमारी को प्राथमिक इलाज के बाद मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय विजय भुइंया, उनकी पत्नी 40 वर्षीय हेमंती देवी और पुत्र 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। मृतकों पर हमला उनके ही पड़ोसी और सगे भाई रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने किया। दोनों आरोपित घटना के बाद से फरार हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन बजे आरोपित रविंद्र और प्रमोद के पिता 65 वर्षीय महेशी भुइयां का निधन हुआ। आरोप है कि उनकी मृत्यु को भूत-प्रेत से हुई मौत मानते हुए दोनों भाइयों ने पड़ोसी विजय भुइंया और उसके परिवार पर हमला कर दिया। पहले विजय भुइंया को ओझा या जादू-टोना करने वाला मानकर टांगी से मारा गया, उसके बाद उसकी पत्नी और पुत्र को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में ममता कुमारी गंभीर रूप से घायल हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से दोनों परिवारों में ओझा और जादू-टोना को लेकर विवाद चल रहा था। महेशी भुइयां पिछले कई दिनों से बीमार थे और उनके परिवार का आरोप था कि विजय भुइंया ने उन पर भूत लगा दिया था। गांव में कई बार समझौते हुए, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इधर, घटना के करीब चार घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हालांकि, सुबह करीब 9 बजे पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने घटना की पुष्टि की और बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे जा रहे हैं। पुलिस आरोपित भाइयों की तलाश में छापेमारी कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

मप्र: मैराथन में कोलकाता के युवक की तबीयत बिगड़ने से मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में रविवार सुबह मैराथन में प्रतिभाग कर रहे कोलकाता के एक युवक की अचानक तबीयत खराब होने से उसकी मौत हो गई। इस दौरान उसे सीपीआर दिया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, रविवार सुबह इंदौर में मैराथन का आयोजन किया गया था। इसमें 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की दौड़ थी। कोलकाता निवासी 25 वर्षीय आर्यन तोड़ी ने इंदौर में आयोजित इस मैराथन के रजिस्ट्रेशन कराया था। वह सुबह दौड़ में शामिल हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आर्यन मैराथन पूरी करने के बहुत करीब था। नेहरू स्टेडियम के फिनिश पॉइंट से महज 100 मीटर पहले उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसके सीने में अचानक दर्द उठा और वह स्टेडियम में गिर पड़ा। उस वक्त मैराथन पूरी हो चुकी थी। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भरत रावत युवक के पीछे ही थे। उन्होंने युवक को संभाला और सीपीआर भी दिया। इसके बाद युवक को एम्बुलेंस से एमवाई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आर्यन को बॉम्बे हॉस्पिटल भी लेकर गए, लेकिन वहां भी उसे मृत ही बताया गया। डॉ. भारत रावत ने बताया कि 21 किलोमीटर की मैराथन में वे इस युवक के ठीक पीछे दौड़ रहे थे। फिनिश लाइन से लगभग 100 मीटर पहले मैंने उसे सड़क पर गिरते हुए देखा। वहां मौजूद कुछ लोगों की मदद से तुरंत सीपीआर देना शुरू किया गया और सीपीआर जारी रखते हुए हम उसे एम्बुलेंस के माध्यम से निकटतम एमवाई अस्पताल ले गए। अस्पताल में भी सभी अथक प्रयास किए गए, लेकिन दुर्भाग्यवश हम उसे बचा नहीं पाए। घटना की जानकारी मिलते ही आयोजन समिति और पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती तौर पर मौत की वजह हार्ट अटैक मानी जा रही है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, ताकि मौत की असली वजह पता चल सके। परिजन को जानकारी दे दी गई है।

ठंड के इस मौसम में हार्ट अटैक के मामले काफी बढ़ गए हैं। इंदौर में अचानक तबीयत बिगड़ने का दो दिन में यह दूसरा मामला है। एक दिन पहले ही इंदौर में एक इंटरनेशनल यूरोलॉजी कॉन्फ्रेंस के दौरान महिला डॉक्टर को कार्डियक अरेस्ट आ गया था। प्रेजेंटेशन देते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे मंच पर ही गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सांसें लौट आईं। हालांकि उनकी हालत अभी गंभीर बनी हुई है। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टरों के मुताबिक स्थिति काफी क्रिटिकल बनी हुई है। दरअसल, इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इंटरनेशनल यूरोलॉजी कांफ्रेंस चल रही है। इसमें देश-विदेश के यूरोलॉजिस्ट शामिल हुए हैं। शनिवार को कांफ्रेंस का तीसरा दिन था। इस दिन मेंगलोर से आई 40 वर्षीय डॉ. श्रीन भूटिया को भाषण देते समय अचानक कार्डियक अरेस्ट आया। वे मंच पर बोलते-बोलते बेहोश होकर गिर पड़ीं। उस समय हाल में लगभग 200 विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित थे। स्थिति को समझते हुए वहां मौजूद डॉक्टरों ने बिना समय गंवाए तुरंत सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देना शुरू किया। कुछ ही मिनटों में डॉक्टर की सांस और नब्ज में सुधार दिखने लगा। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि समय पर सीपीआर मिलने के कारण उनकी जान बच सकी। डॉक्टर को राजश्री अपोलो अस्पताल रेफर किया गया, जहां वे फिलहाल आईसीयू में भर्ती हैं। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

तमिलनाडु के कडलूर में कार बस की टक्कर, तीन छात्रों की मौत, तीन अन्य घायल

कडलूर। कडलूर जिले के तिट्टकुडी के पास एझुथूर क्षेत्र में त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित आवट्टी के पास रविवार तड़के हुए सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए त्रिची और पेरम्बलूर के सरकारी व निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, जेएसए कृषि और प्रौद्योगिकी कॉलेज में अध्ययनरत छह छात्र पेरम्बलूर जिले के तिरुमांथुरै टोल प्लाज़ा क्षेत्र में सुबह करीब 3:30 बजे चाय पीने के लिए कार से गए थे। चाय पीने के बाद सभी छात्र कार से वापस अपने कॉलेज लौट रहे थे। इसी दौरान तोझुधूर के पास त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया। अनियंत्रित कार सड़क के बीच बने सेंटर मीडियन को पार करते हुए विपरीत दिशा में चली गई। उसी समय चेन्नई से त्रिची की ओर जा रही एक टूरिस्ट बस, जो वेप्पूर से पेरम्बलूर की ओर बढ़ रही थी, उससे कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चेंगलपट्टू निवासी धरनी सेल्वन (20), चिदंबरम के निशांत (20) और तिरुवन्नामलाई के विनायकमूर्ति (20) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं त्रिची के मधु प्रियन (20), तिरुवन्नामलाई के ससीकुमार (20) और तिंडीवनम के राकेश (20) गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए त्रिची और पेरम्बलूर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

दक्षिण कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी, रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर

श्रीनगर। कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई है, जिससे श्रीनगर शहर सहित कुछ स्थानों पर रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर चला गया। अनंतनाग जिले के पहलगाम और कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी देखी गई, जबकि दक्षिण कश्मीर के कई हिस्से बारिश से प्रभावित हुए।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर शहर में भी सुबह-सुबह बारिश हुई। श्रीनगर शहर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछली रात के शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसम के सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक था। गांदरबल जिले के सोनमर्ग सहित कई स्थानों के तापमान डेटा उपलब्ध नहीं थे। बारामूला जिले में गुलमर्ग का स्की रिसॉर्ट शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस कम तापमान के साथ जम्मू और कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटक स्थल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसमी सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक था। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि कोकेरनाग में शून्य डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि 'चिल्लई-कलां' की समाप्ति के बाद शनिवार को 20 दिवसीय 'चिल्लई खुर्द' (छोटी ठंड) शुरू हुई। चिल्लई खुर्द के बाद 10 दिवसीय 'चिल्लई बच्चा' (बच्चों को ठंडा) मनाया जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक बादल छाए रहेंगे और रविवार को खासकर ऊंचे इलाकों में गरज या तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 2-3 फरवरी को कई स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी संभावना है।

नवजोत कौर सिद्धू ने पीएम मोदी के पंजाब आने से पहले छोड़ी कांग्रेस

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले पूर्व मुख्य संसदीय सचिव नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस को अलविदा बोल दिया है। नवजोत कौर सिद्धू पूर्व मंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू की पत्नी हैं। पिछले कई महीने से सिद्धू दम्पति पंजाब की सक्रिय राजनीति से दूर हैं। नवजोत सिंह सिद्धू को हाल ही में राहुल गांधी की हुई बैठक में भी नहीं बुलाया गया था। कैंसर से ठीक होने के बाद दोबारा सक्रिय हुई नवजोत कौर सिद्धू हाल ही में उस समय सुर्खियों में आई थी, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में 500 करोड़ की अटैची देने वाला ही मुख्यमंत्री बनता था। इसके बाद वह समूची कांग्रेस के निशाने पर आ गई थी। इस पर प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने 8 दिसंबर को उन्हें नोटिस जारी करके पार्टी से निलंबित कर दिया था। इसके बाद वह पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिली। नवजोत कौर सिद्धू ने शनिवार को देर रात सोशल मीडिया 'एक्स' पर कांग्रेस से दूरी बनाने का ऐलान किया। रविवार को अमृतसर में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस छोड़ने की वजह गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस में मेहनती और काबिल नेताओं की बात नहीं सुनी जाती। फैसले निजी स्वार्थों के आधार पर लिए जाते हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने सांसद व पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा पर भी आरोप लगाए थे। अब रंधावा ने डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के पार्टी छोड़ने पर कहा कि अच्छा हुआ, छुटकारा मिला।

संक्षिप्त खबरें

राजमार्ग पर रोडवेज बस की टक्कर से दो श्रद्धालुओं की मौत, एक महिला की हालत गंभीर

मेरठ। जिले में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह तेज रफ्तार एक रोडवेज बस की टक्कर लगने से पैदल यात्रा कर रहे दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खतौली के पुरानी शिवपुरी मोहल्ला निवासी हरिओम (42) अपनी पत्नी सरिता और पड़ोसी सरला (59) के साथ नंगली तीर्थ के लिए पदयात्रा पर निकले थे। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे जब वे दौराला थाना क्षेत्र के दादरी गांव के पास शिव ढाबा के सामने पहुंचे तभी देहरादून की ओर से आ रही तेज रफ्तार एक रोडवेज बस तीनों को टक्कर मारती हुई निकल गई। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि हरिओम और सरला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सरिता गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजमार्ग पर जाम लग गया। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाया गया हालांकि हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया। दौराला थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुमन कुमार सिंह ने बताया कि हरिओम और सरला की मौत हो गयी जबकि सरिता का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और फिलहाल परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि फरार बस चालक और वाहन की नंबर प्लेट की पहचान की जा सके।

प्रेम प्रसंग में की गई थी नाबालिग की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जिले में एक नाबालिग की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी से प्रेम प्रसंग के कारण नाबालिग की हत्या की गई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि अल्लाहगंज थाना क्षेत्र के रावतपुर गांव में शनिवार सुबह कमलेश कुमार (17) का शव उसके गांव में पंचायत घर के पास मिला था। उन्होंने बताया कि सिर पर कई वार कर नाबालिग की हत्या की गयी थी। अधिकारी ने बताया कि जांच में पाया कि गांव के ही रहने वाले आरोपी अनीस की पत्नी और कमलेश के बीच प्रेम प्रसंग था और दोनों आपस में 'व्हाट्स एप' पर बातचीत करते थे। उन्होंने बताया कि इस बात का पता चलते ही अनीश शुक्रवार रात को कमलेश को उसके घर से बुलाकर ले गया था। अधिकारी ने बताया कि जब आरोपी कमलेश को बुलाकर ले जा रहा था, तब उसकी बहन ने उसे साथ ले जाते हुए देख लिया था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसने स्वीकार किया कि उसने कमलेश की डंडे से पीट-पीट कर हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अनीश को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया।

खाली प्लॉट में नवजात शिशु का शव मिला,पुलिस जांच में जुटी

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के इटावा-बरेली हाईवे स्थित एक खाली प्लॉट में रविवार को नवजात शिशु का शव मिला। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। कोतवाली के अपराध निरीक्षक तेज सिंह ने बताया कि यूपी डॉयल 112 पुलिस को खाली प्लॉट में एक नवजात शिशु के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। नवजात शिशु बालक था और पूर्ण विकसित प्रतीत हो रहा था। अनुमान लगाया जा रहा है कि गर्भावस्था की अवधि लगभग नौ माह की रही होगी। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि शिशु का जन्म कुछ ही घंटे पहले हुआ था, जिसके बाद उसे यहां लाकर छोड़ दिया गया। कोतवाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम भेज दिया गया है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नवजात शिशु के शव को किसने और किन परिस्थितियों में यहां लाकर छोड़ा। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

प्रयागराज में अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

प्रयागराज। जिले में सरायममरेज थाना क्षेत्र स्थित जंघई बाजार के पास शनिवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने रविवार को बताया कि सड़क हादसे में जान गवांने वाले यक्ति की पहचान भदोही जिले के हरदुआ गोसाईं का पूरा गांव निवासी श्याम शंकर गिरी (55) के रूप में हुई हैं। घटना की जानकारी पर परिवार के लोग पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह घर से जंघई बाजार गए थे और वापस लौटते समय हादसे का शिकार हो गये।फिलहाल पुलिस ने परिवार से तहरीर लेकर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

महिला प्रधानाचार्या ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया

बांदा। जिले के बबेरू कस्बे में एक पब्लिक स्कूल की महिला प्रधानाचार्या के साथ छेड़छाड़ और उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने शनिवार को क्षेत्राधिकारी बबेरू को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया था कि वह बबेरू कस्बे की रहने वाली और इसी गांव के एक पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्या है। आरोप है कि मैरिज हाल के पास रहने वाला अमित यादव विद्यालय आते-जाते समय रास्ते में पीछा कर उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करता था। विरोध करने पर आरोपित ने स्कूल में आकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। 25 जनवरी की रात आरोपित उसके घर में घुसा था, जिससे उसकी बदनामी हो सके। विरोध पर उसके साथ मारपीट की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोतवाल राजेंद्र सिंह राजावत ने रविवार को बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने 31 जनवरी को आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। दोषी पाए जाने पर आरोपित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय बजट 2026-27 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प-पत्र : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह "विकसित भारत" के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प पत्र है। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "पावन माघी पूर्णिमा एवं सद्गुरु रविदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में आज (रविवार को) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प-पत्र है।"

उन्होंने कहा "यह बजट युवाओं को अवसर, किसानों को सुरक्षा, उद्यमियों को प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग को राहत और श्रमिकों को सम्मान प्रदान करेगा।" योगी ने कहा " यह बजट नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को नई गति देने के साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, अवसंरचना, पर्यटन, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाते हुए 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को साकार करेगा।" मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव को और सुदृढ़ किया गया है। योगी ने भरोसा जताते हुए कहा, "पूर्ण विश्वास है कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और सुशासन के माध्यम से यह बजट वर्तमान के साथ भविष्य के भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।" उन्होंने कहा, "इस दूरदर्शी एवं लोक-कल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार एवं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।" वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, " प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 युवा और महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन तथा शिक्षा-स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। यह बजट ठोस नीतियों और परिणामोन्मुख दृष्टि के साथ 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाता है।"

उन्होंने कहा, "मैन्युफैक्चरिंग से इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य से पर्यटन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से एआई, खेल से तीर्थ- हर क्षेत्र में व्यापक अवसर खोलता यह विकसित भारत बजट भारत को उभरते आर्थिक शक्ति-केंद्र के रूप में नई पहचान देता है।" उन्होंने पोस्ट में मोदी और सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा "प्रधानमंत्री की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था को जो मजबूती मिली है, यह बजट उसी गति को और तेज करता है।" उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर कहा, "केंद्रीय बजट 2026-27' सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी एवं करोड़ों देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है।" उन्होंने कहा, "बजट 2026-27 के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है।"

योगी आदित्यनाथ ने रविदास के विचार आत्मसात कर समरस, विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने का किया आह्वान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संत रविदास की जयंती पर उन्हें नमन किया और लोगों से उनके विचारों को आत्मसात कर समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, ''सद्गुरु रविदास जी महाराज की पावन जयंती पर कोटि-कोटि नमन।'' उन्होंने कहा कि सद्गुरु रविदास जी ने कर्म से सेवा, समरसता और समानता का जो संदेश दिया, वह आज भी हमें प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' का जो संकल्प है, उसकी आत्मा गुरु रविदास जी की शिक्षाओं में है।'' मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से रविदास के विचारों को आत्मसात कर समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की। मध्यकालीन कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास ने अपने दोहों और उपदेशों के माध्यम से जाति आधारित सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संदेश दिया। उनका जन्म वाराणसी के पास सीर गोवर्धनपुर गांव में हुआ था।

संत रविदास के उपदेश आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर संत रविदास की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि संत रविदास के समता, करुणा और मानवता के उपदेश आज भी समाज को समानता और नैतिक उत्थान की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के महानायक, सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। संत रविदास ने लिखा है कि ऐसा चाहूँ राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसै, रविदास रहै प्रसन्न॥

सात शिकारी गिरफ्तार, उनके साथ वन्यजीवों के शव बरामद

बागपत। जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी में लिप्त सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से कई जानवरों के शव बरामद किए गए हैं।

वन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से जंगली बिल्ली व सियार के तीन-तीन और एक जल मुर्गी समेत कई वन्यजीवों के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान खन्ना नाथ, दुलीचंद, साजन नाथ, बाली नाथ, विकास, अर्जुन और रोहन कुमार के रूप में हुई है। सभी हरियाणा के सोनीपत जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। आरोपियों के कब्जे से शिकार में प्रयुक्त जाल, रस्सियां और धारदार हथियार भी जब्त किए गए हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बागपत जिले के विभिन्न वन क्षेत्रों में अवैध रूप से वन्यजीवों का शिकार करते थे और बाद में इनके शवों की तस्करी हरियाणा के सोनीपत जिले में की जाती थी। यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और संगठित रूप से शिकार एवं तस्करी का कार्य कर रहा था।

उनके मुताबिक, वन विभाग को इस संबंध में लगातार गोपनीय सूचनाएं मिल रही थीं, जिसके आधार पर विशेष टीम गठित कर निगरानी की जा रही थी। सटीक सूचना मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर सातों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विनोद कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा उन्हें अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुमार ने कहा कि जंगलों में निगरानी और गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

किसान का शव कमरे में मिला, जांच में जुटी पुलिस

औरैया। जिले में फफूंद थाना क्षेत्र स्थित एक खेत में बने कमरे में रविवार को किसान का शव मिला। वह फसलों की रखवाली करने के लिए गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि दौलतपुर गांव निवासी किसान रणधीर सिंह यादव (58) शनिवार शाम खाना-पीना खाने के बाद फसलों की रखवाली करने के लिए खेत पर बने कमरे में सोने के लिए चले गये। रविवार सुबह बेटा अर्जुन सिंह चाय लेकर खेत पहुंचा तो उसने पिता को जगाया पर जगे नहीं। उसने परिवार को जानकारी दी तो घरवाले उन्हें लेकर गांव के एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां डॉक्टर ने किसान को मृत घोषित कर दिया। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष बताया कि परिजन का कहना है कि सर्दी लगने से किसान की मौत हुई हैं, लेकिन इसकी स्प्ष्ट जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है

जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी : अखिलेश यादव

लखनऊ। संसद में रविवार को पेश हुए केंद्रीय बजट 2026-2027 पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आ गया भाजपाई बजट का परिणाम, शेयर मार्केट हुआ धड़ाम।''

उन्होंने कहा, ''हमने तो पहले ही कहा था – सवाल ये नहीं है कि शेयर बाज़ार रविवार को खुलेगा, सवाल ये है कि और कितना गिरेगा।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। हम तो भाजपा के हर बजट को 1/20 का बजट मानते हैं क्योंकि वो पांच प्रतिशत लोगों के लिए होता है।'' यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा का बजट, अपने कमीशन और अपने लोगों को लाभ पहुंचाने का बजट होता है। उन्होंने कहा, ''भाजपा का बजट, भाजपाई भ्रष्टाचार का अदृश्य खाता-बही होता है।''

उन्होंने दावा किया कि इस बजट में न आम जनता का ज़िक्र है, न फ़िक्र और महंगाई बेतहाशा बढ़ने पर भी इस बजट में जनता को कर में छूट न देना, ''टैक्स-शोषण'' है। यादव ने दावा किया, ''अमीरों के काम-कारोबार और घूमने-फिरने पर दस तरह की छूटें दी गईं हैं लेकिन बेकारी-बेरोज़गारी से जूझ रहे लोगों की उम्मीदों की थाली, खाली है। यह निराशाजनक, निंदनीय बजट है।''

जांच में सहयोग न करने पर कोडीन कफ सिरप आरोपियों की जब्त होगी संपत्ति : एसआईटी प्रमुख

जौनपुर। कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शिकंजा कसा है। इस मामले में 22 आरोपितों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। अब जल्द ही उनकी संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही सभी आरोपित फरार हैं। नोटिस दिए जाने के बावजूद कोई भी आरोपित जांच में सहयोग करने या हाजिर होने के लिए नहीं आया। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल और उनके पिता भोला जायसवाल ने रांची स्थित शैली ट्रेडर्स से जौनपुर समेत अन्य जिलों में भारी मात्रा में कोडीनयुक्त कफ सीरप की आपूर्ति की थी।

पिता-पुत्र के खिलाफ कोतवाली में भी मुकदमा दर्ज है। भोला जायसवाल को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए एसआईटी प्रमुख सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी के मामले में जिले के 22 आरोपितों के विरुद्ध शनिवार को गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपितों द्वारा समय दिए जाने के बाद भी जांच में सहयोग न करने या हाजिर न होने के कारण अब उनकी संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई जल्द ही की जाएगी। इस मामले में सहारनपुर के अशोक विहार कॉलोनी निवासी विशाल उपाध्याय ने कोतवाली के चितरसारी शकरमंडी निवासी आकाश मौर्या व अरुण सोनकर, जमालपुर निवासी शिवम मौर्या, डालगर टोला निवासी अंकित कुमार श्रीवास्तव, संजीव कुमार चौरसिया, सुजानगंज के बलवरगंज निवासी सौरभ गुप्ता, अरुण प्रकाश मौर्या, बलुआघाट निवासी ओमप्रकाश मौर्या और सरायख्वाजा के सर्फराजपुर निवासी अनुप्रिया सिंह सहित अन्य के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कराया है।

नूपुर कत्थक केंद्र की रंगारंग शास्त्रीय प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

कथक, भरतनाट्यम व ओडिसी शैली पर आधारित 'ऋतु रंग' में देखने को मिला कलाकारों का कौशल

गाजियाबाद। 'नूपुर कथक केंद्र' द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य कला पर आधारित कार्यक्रम "ऋतु रंग" की रंगारंग प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में भारतीय ऋतु परंपरा की छह ऋतुओं की भावात्मक और सौंदर्यात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई। अपने सशक्त अभिनय, लयात्मक जटिलता और सुसंयोजित नृत्य विन्यास के माध्यम से सभी कलाकारों ने शास्त्रीय साहित्य और नाट्यशास्त्र की परंपरा को जीवंत कर दिया। मूलतः कथक परंपरा में रचा-बसा यह कार्यक्रम भरतनाट्यम और ओडिसी शैलियों के तत्वों से भी समृद्ध रहा। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं निर्देशन नूपुर कथक केंद्र की प्रमुख आभा बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 'रश्मि रथी' कला वृंद की मनीषा हांडा तथा 'देवध्वनि' की अनिंदिता बसु ने भी उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया। इन तीनों की संयुक्त रचनात्मक दृष्टि और सुव्यवस्थित संरचना ने संपूर्ण प्रस्तुति को एक सशक्त और सुसंगठित स्वरूप प्रदान किया। प्रस्तुति में संकल्प श्रीवास्तव ने संगीत में और जितेंद्र ने प्रकाश संयोजन में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कला संरक्षक ललित जायसवाल ने कहा कि नूपुर कत्थक केंद्र दशकों से विद्यार्थियों को शास्त्रीय नृत्य में पारंगत करता आ रहा है। कला के श्रेत्र में इस केंद्र के योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कला जगत हमेशा आभा बंसल, उनके सहयोगियों और उनकी टीम का सदैव ऋणी रहेगा। कवि नगर स्थित जानकी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में पं. हरिदत्त शर्मा, डॉ. आर. पी. सिंघल, डॉ. तारा गुप्ता, डॉ. राकेश बंसल, आलोक यात्री, उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स की प्राचार्या शर्मिला रहेजा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

वाराणसी: माघ पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने पुण्य सरिता गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी)में माघ मास के प्रमुख स्नान पर्व माघ पूर्णिमा पर रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला गंगा नदी में पूरे आस्था के साथ पुण्य की डुबकी लगाई। स्नान ध्यान के बाद गंगाघाटों पर श्रद्धालुओं ने दानपुण्य कर श्री काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाई। महास्नान पर्व पर गंगा किनारे सुरक्षा का व्यापक प्रबन्ध किया गया।

प्रयागराज से पलट प्रवाह (काशी आ रहे श्रद्धालुओं)की सुरक्षा को लेकर पूरे शहर में जगह-जगह बैरिकेडिंग और यातायात प्रतिबंधित किया है। पवित्र गंगा नदी में विशेष नौकाओं पर सवार जल पुलिस, पीएसी, गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ के जवान चक्रमण कर रहे है। महास्नान पर्व पर प्रमुख गंगाघाटों पर लाखों श्रद्धालु शनिवार शाम को ही पहुंच गए थे। भोर में लगभग तीन बजे से गंगा में डुबकी लगाने का सिलसिला शुरू हो गया। शहरी और आसपास के श्रद्धालु गंगाघाटों की ओर भोर से ही नंगे पाव पहुंचते रहे। माघी पूर्णिमा पर खास संयोग में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रही। गंगा स्नान के लिए प्राचीन दशाश्वमेध घाट, शीतलाघाट, पंचगंगा, अहिल्याबाई, अस्सी, तुलसीघाट, खिड़किया घाट, भैसासुर,सामने घाट पर सर्वाधिक भीड़ रही। उधर,संत रविदास के जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में आयोजित जयन्ती समारोह में भाग लेने आये लाखों रैदासी श्रद्धालुओं ने सामने घाट,अस्सी घाट पर आस्था की डुबकी लगाई। उनके स्नान ध्यान का सिलसिला दिन चढ़ने तक चलता रहा । गौरतलब हो माघी पूर्णिमा पर गंगा सहित पवित्र नदियों में स्नान करने से श्रद्धालुओं को माघ मास के स्नान के बराबर पुण्यफल मिलता है। सनातन धर्म में मान्यता है माघ पूर्णिमा पर भगवान विष्णु स्वयं गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए गंगाजल में स्नान और आचमन करना फलदायी होता है।

वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के अनुसार माघी पूर्णिमा का पर्व धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक समरसता का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं पुण्यदायक पर्व है। यह पर्व माघ मास के पुण्यकाल में सम्पन्न होता है, जिसे शास्त्रों में 'माघमासो महापुण्यप्रदायकः' कहकर विशेष महिमा प्रदान की गई है। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि माघी पूर्णिमा न केवल गंगा-स्नान, दान, जप, तप एवं व्रत का विशिष्ट अवसर है, अपितु यह पर्व भारतीय लोकजीवन में करुणा, दया, सेवा एवं समत्व की भावना को सुदृढ़ करता है।

धर्मशास्त्रों के अनुसार माघी पूर्णिमा को किया गया स्नान-दान सहस्त्रगुणित फल प्रदान करता है। विशेषतः अन्नदान, वस्त्रदान, तिलदान, घृतदान एवं स्वर्णदान का अत्यधिक महत्त्व बताया गया है। यह पर्व साधना, संयम एवं आत्मानुशासन की परम्परा को पुष्ट करता है। ज्योतिषविद रविन्द्र तिवारी बताते है कि सनातन धर्म में माघ की पूर्णिमा के नहान का विशेष महत्व होता है। जो श्रद्धालु प्रयागराज संगम तट पर स्नान नहीं कर पाते हैं, वो काशी में स्नान का दान पुण्य करते हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार यह पूर्णिमा चंद्रमास का आखिरी दिन होता है। सनातन धर्म में पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघ पूर्णिमा तक पवित्र नदियों में स्नान की परम्परा है।

हाथरस में आरएसएस के जिला प्रचारक पर हमला दो आरोपी गिरफ्तार

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक पर रविवार सुबह कथित तौर पर एक विवाद के बाद पांच लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरएसएस के घायल जिला प्रचारक जयकिशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें आगरा रेफर किया गया है।

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीन अन्य की तलाश में जुट गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के समय प्रचारक जयकिशोर शहर से वापस आरएसएस के नवल नगर स्थित कार्यालय आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार नवल नगर में पहुंची, सामने से स्कूटी सवार दो युवक आ गए। यहां वाहन आगे-पीछे करने को लेकर पहले विवाद हुआ, फिर अचानक युवकों ने उन पर हमला कर दिया। विवाद की सूचना मिलने पर युवकों के अन्य साथी भी वहां आ गए। उन्होंने बताया कि जिला प्रचारक की कार में तोड़फोड़ करते हुए उन्हें नीचे उतार लिया गया और लात घूसों से पीटा गया। वारदात की जानकारी पर संगठन के कार्यकर्ता व पुलिस मौके पर पहुंच गई।

विधायक सदर अंजुला माहौर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह सहित पार्टी तथा आरएसएस के तमाम पदाधिकारी भी मौके पर आये। पुलिस अधीक्षक (एसपी) चिरंजीवनाथ सिन्हा ने कहा कि आरएसएस प्रचारक के साथ मारपीट की इस घटना में पांच स्थानीय लोग शामिल रहे हैं, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है और तीन अन्य की तलाश की जा रही है। एसपी ने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। इस घटना से भाजपा तथा आरएसएस संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

खेलो इंडिया को फिर से सर्वाधिक आवंटन खेल सामग्री क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट में युवा मामले और खेल मंत्रालय के आवंटन में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि की गई, जिसमें खेल सामग्री निर्माण क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है क्योंकि उसको पहली बार 500 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन 4479.88 करोड़ रुपये है जो 2025-26 के संशोधित आवंटन 3346.54 करोड़ रुपये से 1133.34 करोड़ रुपये अधिक है।

राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए सामग्री उपलब्ध कराने वाले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लिए आवंटित राशि को 880 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 917.38 करोड़ रुपये कर दिया गया है। देशभर के स्टेडियमों के रखरखाव और उनके उपयोग की जिम्मेदारी भी साइ की होती है। हालांकि राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला और राष्ट्रीय डोपिंग-विरोधी एजेंसी का बजट क्रमशः 28.55 करोड़ रुपये से घटाकर 23 करोड़ रुपये और 24.30 करोड़ रुपये से घटाकर 20.30 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती खेल सामग्री के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की भारत की क्षमता पर जोर दिया और इस तरह से खेल मंत्री मनसुख मांडविया के दृष्टिकोण का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, ''मैं खेल सामग्री के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करती हूं जिससे उपकरण डिजाइन के साथ-साथ खेल सामग्री के क्षेत्र में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।'' अभी तक के बजट में खेल सामग्री क्षेत्र से संबंधित कोई प्रावधान नहीं था। खेल मंत्रालय ने इस आवंटन का स्वागत किया और कहा कि खेल सामग्री उद्योग के लिए समर्थन सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाएगी। इस पहल से 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत देश में खेल सामग्री निर्माण करने वाले स्टार्टअप को बढ़ावा मिलने की संभावना है। सरकार के 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के लिए 924.35 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। इसके लिए पिछले वर्ष आवंटित राशि 1000 करोड़ रुपये थी, लेकिन अंतिम व्यय 700 करोड़ रुपये रहा। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सहायता राशि इस वर्ष 28.05 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 78 प्रतिशत की वृद्धि है। राष्ट्रमंडल खेल इस वर्ष जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। सीतारमण ने अगले दशक में प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षकों के व्यवस्थित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने के प्रस्ताव रखा जिससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए सरकार के प्रमुख 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा। सीतारमण ने कहा कि यह मिशन आपस में जुड़े विभिन्न माध्यमों से एकीकृत प्रतिभा विकास कार्यक्रम को सुगम बनाएगा। खेलो इंडिया कार्यक्रम 2017 में शुरू किया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभा पहचान के लिए सभी आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना था।

सीतारमण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण के दौरान कहा, ''खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरी के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम से खेल प्रतिभाओं को निखारने की पहल को आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले दशक में खेल क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव करने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह मिशन मूलभूत, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तरों के प्रशिक्षण केंद्रों के सहयोग से एकीकृत प्रतिभा विकास, प्रशिक्षकों और सहायक स्टाफ का व्यवस्थित विकास, खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एकीकरण, खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और मंच प्रदान करने के लिए प्रतियोगिताएं और लीग का आयोजन तथा प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए खेल संरचना के विकास को सुगम बनाएगा।'' राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के लिए आवंटित बजट भी 78.64 करोड़ रुपये से घटाकर 46.98 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

राष्ट्रीय खेल विकास कोष में योगदान राशि को तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि सरकार ने इस वर्ष खिलाड़ियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 28 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40 करोड़ रुपये कर दिया है। राष्ट्रीय खेल संघों के लिए सहायता राशि में भी मामूली वृद्धि की गई है, जो 400 करोड़ रुपये से बढ़कर 425 करोड़ रुपये हो गई है। युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की धनराशि इस वर्ष 57.68 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 58.41 करोड़ रुपये कर दी गई है। युवा हॉस्टलों के आवंटन में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। यह पिछले साल के 1.10 करोड़ रुपये की तुलना में इस साल 19.20 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय सेवा योजना में भी भारी वृद्धि की गई है। इसे पिछले वर्ष के 275.00 करोड़ रुपये के मुकाबले इस वर्ष 357.39 करोड़ रुपये मिलेंगे।

देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स के रूप में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता

बैंकॉक। भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता। हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। देविका ने पिछले कुछ समय से शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2025 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत की मिश्रित टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया। वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। इनमें स्वीडिश ओपन और पुर्तगाल इंटरनेशनल भी शामिल हैं, जहां वह विजेता रही थी। उन्होंने एस्टोनियन इंटरनेशनल और डच इंटरनेशनल में दूसरा स्थान हासिल किया था।

आयरलैंड ने किया महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई

कीर्तिपुर (नेपाल)। आयरलैंड महिला टीम ने रविवार को थाईलैंड को 62 रन से हराकर आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसके साथ ही आयरलैंड 2026 ग्लोबल क्वालिफायर्स के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाने वाली तीसरी टीम बन गई। यह क्वालिफायर्स नेपाल के कीर्तिपुर में खेले जा रहे हैं।आयरिश टीम ने सुपर सिक्स चरण में पांच में से तीन मुकाबले जीतकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए टिकट हासिल। इससे पहले नीदरलैंड्स और बांग्लादेश भी ग्लोबल क्वालिफायर्स के जरिए वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। आयरलैंड ने आखिरी बार 2023 में महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड के सामने 122 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में थाईलैंड की पूरी टीम सिर्फ 59 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में आयरलैंड की ओर से आर्लीन केली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने तीन विकेट लेकर जीत को आसान बना दिया।लीग स्टेज में ग्रुप-ए में शामिल आयरलैंड ने चार में से तीन मैच जीते। उसने पापुआ न्यू गिनी, अमेरिका और नामीबिया को हराया, जबकि उसे केवल ग्रुप टॉपर बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सुपर सिक्स चरण में आयरलैंड को स्कॉटलैंड और बांग्लादेश से हार मिली, लेकिन टीम ने अमेरिका, नीदरलैंड्स और थाईलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर वर्ल्ड कप का टिकट पक्का किया।नीदरलैंड्स, बांग्लादेश और आयरलैंड के क्वालिफाई करने के साथ अब कुल 11 टीमें महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और श्रीलंका ने मेजबान या रैंकिंग के आधार पर स्वतः क्वालिफिकेशन हासिल किया है।अब केवल एक स्थान शेष है, जिसके लिए अमेरिका और स्कॉटलैंड के बीच चल रहे मुकाबले की विजेता टीम को अंतिम टिकट मिलेगा। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में होगी।

अनाहत स्क्वाश ऑन फायर के फाइनल में

नई दिल्ली। भारत की अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वाशिंगटन में चल रहे स्क्वाश ऑन फायर ओपन में अमेरिका की सबरीना सोभी को 3-1 से हराकर पहली बार किसी पीएसए कांस्य स्तर की प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज और इस टूर्नामेंट में सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज अमेरिकी खिलाड़ी सबरीना को 11-9 11-3 9-11 11-5 से हराया। फाइनल में अनाहत का सामना इंग्लैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज जॉर्जीना कैनेडी से होगा। अनाहत ने क्वार्टरफाइनल में मिस्र की सना इब्राहिम को हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करेगा पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने बहुप्रतीक्षित ग्रुप लीग मुकाबले के बहिष्कार के फैसले की रविवार को औपचारिक घोषणा कर दी लेकिन सरकार ने सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के बाकी मैचों में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम, जिसके दूरगामी असर पड़ने की संभावना है। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले को इस विश्व कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किये जाने के विरोध के तौर पर देखा जा रहा है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी लेकिन आईसीसी ने उसे ठुकरा दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले कहा था कि वह इस फैसले के बाद टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की समीक्षा करेगा, क्योंकि वह बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखा रहा है।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी बयान में कहा कि उसने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है, लेकिन टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में ''मैदान पर नहीं उतरेगी''। इस फैसले के साथ टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों का दौर समाप्त हो गया है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट के बीच यह फैसला क्षेत्र में बढ़े राजनीतिक तनाव के माहौल में सामने आया है। सरकार ने सोशल मीडिया पर कहा कि पाकिस्तान की सरकार आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की भागीदारी को मंजूरी देती है, हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।''भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे बहुप्रतीक्षित मैच माना जाता है, जिसे वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक दर्शक, प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व मिलता है।वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिल जाएंगे, लेकिन आईसीसी के पास पीसीबी पर वित्तीय जुर्माना लगाने का अधिकार भी बना रहेगा। पाकिस्तान सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगा। पाकिस्तान के सभी मुकाबले कोलंबो के एसएससी मैदान पर खेले जाएंगे। वर्तमान गतिरोध की शुरुआत आईसीसी के उस फैसले से हुई, जिसमें सुरक्षा आश्वासनों को स्वीकार करने से इनकार करने और अपने सभी मैच श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग के बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इस फैसले के बाद पाकिस्तान के क्रिकेट और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलीं, हालांकि पाकिस्तान के कई पूर्व खिलाड़ियों और अधिकारियों ने ऐसे किसी कदम के खिलाफ सलाह दी थी, जिससे देश के क्रिकेट को नुकसान पहुंचे। पीसीबी या सरकार ने हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अगर प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने आते हैं तो उस स्थिति में क्या रुख अपनाया जाएगा।

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा: पाकिस्तान को 58 रन से हराया

बुलवायो। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने 66 रन बनाए, जबकि भारत की तरफ से कप्तान आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल ने 3-3 विकेट लिए। भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन बनाकर टीम को 200 के करीब पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंद पर 30 रन ही बना सके। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल पाए। आखिर में कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। पाकिस्तान से अब्दुल सुभान ने 3 और मोहम्मद सय्याम ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच कनिष्क चौहान बने भारत की जीत के हीरो कनिष्क चौहान रहे।

शहरी आर्थिक क्षेत्रों के लिए 5,000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को शहरी विकास को मजबूत करने के लिए एक बड़े कदम की घोषणा की। इसके तहत शहरी आर्थिक क्षेत्रों (सीईआर) के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और प्रत्येक क्षेत्र के लिए पांच वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया गया है। इसका मकसद संबंधित योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना है। सीतारमण ने लोकसभा में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए शहरों को भारत के विकास, नवोन्मेष और अवसरों का इंजन बताया और कहा कि यह नई पहल दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के साथ-साथ मंदिर नगरों पर केंद्रित होगी, जिन्हें आधुनिक बुनियादी ढांचे और बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बजट का उद्देश्य विशिष्ट विकास कारकों के आधार पर शहर आर्थिक क्षेत्र का मानचित्रण करके शहरों की आर्थिक शक्ति को और अधिक बढ़ाना है। सीतारमण ने कहा, ''सुधार-सह-परिणाम आधारित वित्तपोषण व्यवस्था के साथ चुनौतीपूर्ण तरीके से उनकी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रत्येक सीईआर के लिए पांच वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित किया गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले दशक में, उनकी सरकार ने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के व्यापक सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) जैसे नए वित्तपोषण साधन और एनआईआईएफ (राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष) और एनएबीएफआईडी (राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा और विकास वित्त पोषण बैंक) जैसी संस्थाएं शामिल हैं। सरकार पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों (टियर 2 और टियर 3) में अवसंरचना के विकास पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। ये शहर विकास केंद्रों के रूप में विकसित हुए हैं।

मंत्रियों, मंत्रिमंडल सचिवालय और पीएमओ के खर्च के लिए 1,102 करोड़ रुपये का आवंटन

केंद्रीय बजट 2026-27 में मंत्रिपरिषद, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तथा राज्य अतिथियों के आतिथ्य और मनोरंजन पर होने वाले खर्च के लिए 1,102 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान 978.20 करोड़ रुपये से अधिक है। रविवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में वित्त वर्ष 2026-27 लिए मंत्रिपरिषद के खर्चों कए 620 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में यह राशि 483.54 करोड़ रुपये थी। यह प्रावधान मंत्रिमंडल के मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों के वेतन, और अन्य भत्तों तथा यात्रा पर होने वाले व्यय के लिए है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 256.19 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 279.74 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। यह प्रावधान राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के प्रशासनिक खर्चों और अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरा करने के लिए है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के लिए 65 करोड़ रुपये तक आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 61.32 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। यह प्रावधान प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय और राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक खर्चों को पूरा करने के लिए है। मंत्रिमंडल सचिवालय को बजट में 80 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में इसके लिए 78 करोड़ रुपये दिए गए थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को आगामी वित्त वर्ष के लिए 73.52 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में पीएमओ के प्रशासनिक खर्चों को पूरा करने के लिए 68 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

नयी ग्रामीण रोजगार योजना 'वीबी-जी राम जी' के लिए 95,000 करोड़ रुपये आवंटित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नयी योजना 'वीबी-जी राम जी' को लागू करने की तैयारी के साथ ही इसके लिए 95,692.31 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जबकि मनरेगा के लिए 30,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत साल में 125 दिनों के काम का वादा किया गया है। यह योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 के तहत बनी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल की दो दशक पुरानी ग्रामीण रोजगार योजना का स्थान लेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा योजना तब तक जारी रहेगी, जब तक 'वीबी-जी राम जी' पूरी तरह अमल में नहीं आ जाती और इसके तहत लंबित कार्य पूरे नहीं हो जाते। बजट दस्तावेजों के अनुसार, मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग के लिए कुल 1,94,368.81 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष के 1,86,995.61 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से थोड़ा अधिक है। वर्ष 2026-27 के लिए भूमि संसाधन विभाग को 2,654.33 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्ष 2025-26 में इस विभाग के लिए 2,651 करोड़ रुपये का आवंटन था, जबकि संशोधित अनुमान के अनुसार वास्तविक खर्च 1,757.4 करोड़ रुपये रहा। वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों के मुताबिक, मनरेगा कार्यक्रम पर कुल खर्च 88,000 करोड़ रुपये रहा, जबकि शुरुआत में इसके लिए 86,000 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के लिए वर्ष 2026-27 का आवंटन 19,000 करोड़ रुपये रखा गया है, जो 2025-26 के बराबर ही है। हालांकि, संशोधित अनुमान के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में इस पर खर्च 11,000 करोड़ रुपये हुआ था। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 2026-27 का आवंटन बढ़ाकर 19,200 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पिछले साल यह राशि 19,005 करोड़ रुपये थी, जबकि संशोधित अनुमान के मुताबिक 16,000 करोड़ रुपये खर्च हुए। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के लिए इस साल 54,916.70 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। पिछले बजट में यह राशि 54,832.00 करोड़ रुपये थी और संशोधित अनुमान में खर्च 32,500.01 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

सरकार राजकाषीय घाटे की भरपाई के लिए 2026-27 में कुल 17.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेगी

नई दिल्ली। सरकार अगले वित्त वर्ष में 4.3 प्रतिशत के अनुमानित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए कुल 17.2 लाख करोड़ रुपये उधार ले सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14.80 लाख करोड़ रुपये के सकल कर्ज का अनुमान लगाया था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा, ''राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए, प्रतिभूतियों से शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। शेष वित्तपोषण लघु बचत और अन्य स्रोतों से किये जाने की उम्मीद है। सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।'' कर्ज की राशि अधिक होने के प्रश्न पर, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि शुद्ध बाजार उधारी 11.73 लाख करोड़ रुपये के आसपास है, जो पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों के करीब है। उन्होंने कहा, ''यह बड़ी संख्या इसलिए है क्योंकि हमें इस साल 5.5 लाख करोड़ रुपये चुकाने हैं। इसलिए, उस लिहाज से हमें यह कोई बड़ी संख्या नहीं लगती।'' ठाकुर ने कहा कि प्रतिभूति पुनर्खरीद और अदला-बदली का मुख्य उद्देश्य सरकार पर ऋण चुकाने का बोझ कम करना, एक साथ कई ऋण के जमा होने के प्रभाव को कम करना और लागत को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा, ''हमने इस साल उच्च ब्याज वाली प्रतिभूतियों की महत्वपूर्ण अदला-बदली की है। अगले साल इस 5.5 लाख करोड़ रुपये को चुकाना होगा। जैसे-जैसे ये प्रतिभूतियां आती रहेंगी, हम निर्णय लेते रहेंगे।'' बजट के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि केंद्र राज्यों से उनके राजकोषीय प्रबंधन के बारे में बात कर रहा है और उनके ऋणों पर नजर रख रहा है।

वायदा सौदों पर एसटीटी बढ़ाने का प्रस्ताव बाजार को नहीं आया रास, सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़का

मुंबई। वायदा सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का बजट में प्रस्ताव रखे जाने के बाद रविवार को घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 495 अंक टूटकर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण में वायदा एवं विकल्प खंड में एसटीटी को बढ़ाने का ऐलान बाजार को पसंद नहीं आया और यह बहुत तेजी से नीचे चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए दोपहर के कारोबार में 2,370.36 अंक यानी 2.88 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 80,000 अंक के अहम स्तर से भी नीचे फिसलकर 79,899.42 अंक पर आ गया था।

हालांकि, बाद में सेंसेक्स थोड़े सुधार के साथ 1,546.84 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 748.9 अंक यानी 2.95 प्रतिशत लुढ़ककर 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक चला गया। इस बड़ी गिरावट के लिए बजट भाषण में वायदा कारोबार पर एसटीटी की दर 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने की घोषणा को जिम्मेदार माना गया। अगले वित्त वर्ष के लिए केंद्रीय बजट पेश किए जाने के कारण रविवार होने के बावजूद शेयर बाजारों में सामान्य कारोबार हुआ। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों की चिंता का मुख्य कारण वायदा एवं विकल्प (एफ एंड ओ) कारोबार पर एसटीटी में की गई वृद्धि रही। एक्सिस सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रणव हरिदासन ने कहा, ''एफ एंड ओ पर एसटीटी में विशेष रूप से वायदा पर तेज बढ़ोतरी ने बाजार प्रतिभागियों की कुल लेनदेन लागत बढ़ा दी है। इससे तरलता, भागीदारी और भारतीय बाजार की लागत प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ने की आशंका को लेकर विदेशी और घरेलू निवेशकों में चिंता फैल गई जो बाजार की त्वरित प्रतिक्रिया में नजर आई।'' सेंसेक्स की कंपनियों में से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर में सर्वाधिक 5.61 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि अदाणी पोर्ट्स में 5.53 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, सन फार्मा और टाइटन के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। विश्लेषकों ने आगाह किया कि एसटीटी में बढ़ोतरी से निकट अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की धारणा पर असर पड़ सकता है। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के तकनीकी शोध विश्लेषक आकाश शाह ने कहा, ''वायदा और विकल्प पर बढ़ा हुआ एसटीटी खासकर बहुत तेज गति वाले और डेरिवेटिव-केंद्रित वैश्विक कोषों के लिए नकारात्मक संकेत हो सकता है।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,251.37 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

अपना हर जन्मदिन वैष्णो धाम में माता वैष्णो देवी का दर्शन कर मनाती हैं संदीपा धर

मुंबई। अभिनेत्री संदीपा धर अपना हर जन्मदिन वैष्णो धाम में माता वैष्णो देवी का दर्शन कर मनाती हैं। संदीपा धर के लिए जन्मदिन सिर्फ़ जश्न और केक तक सीमित नहीं होता। वह हर साल अपने जन्मदिन की शुरुआत माता वैष्णो देवी के दर्शन से करती हैं। यह उनके लिए एक निजी और खास परंपरा है, जिससे उन्हें सुकून और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। दो फ़रवरी को संदीपा का जन्मदिन है। संदीपा का मानना है कि यदि नए साल की शुरुआत भगवान के आशीर्वाद से हो, तो आगे का सफ़र बेहतर रहता है। वैष्णो देवी की यह यात्रा उन्हें मानसिक शांति, आत्मबल और साफ़ सोच देती है, फिर चाहे बात ज़िंदगी की हो या करियर की। फ़िल्म इंडस्ट्री की भागदौड़ और लगातार बदलते माहौल के बीच, आस्था उनके लिए एक सहारा और संतुलन बनाए रखने का ज़रिया है। हालंकि इस साल यह जन्मदिन संदीपा के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि वह अपने करियर के एक अहम दौर में हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने सेहर में" जल्द रिलीज़ होने वाली है और कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स भी जल्द सामने आनेवाले हैं। ऐसे समय में वह इस नए फेज़ की शुरुआत ख़ास तौर से भगवान के आशीर्वाद के साथ करना चाहती हैं। गौरतलब है कि फिल्मों के साथ वेब सीरीज़ और डांस से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी संदीपा धर ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनके जन्मदिन रिच्युअल्स यह भी दिखाते हैं कि वह लगातार आगे बढ़ते हुए भी आस्था, अनुशासन और आभार को कितना महत्व देती हैं। साथ ही नए साल की शुरुआत करते हुए, संदीपा धर यह भी साबित करती हैं कि सफलता के रास्ते पर चलते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना कितना ज़रूरी है। यही वजह है कि उनके लिए जन्मदिन की सबसे अच्छी शुरुआत शोर-शराबे से नहीं, बल्कि शांत प्रार्थना से होती है।

ऐश्वर्या राय ने दिखाया अपना सिंगिंग टैलेंट, चंद्रचूड़ सिंह संग गाया 'मेरी सांसों में बसा है' गाना

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन हमेशा से ही अपनी एक्टिंग के लिए जानी जाती रही हैं। लेकिन एक पुराने चैट शो में उन्होंने अपनी छुपी हुई प्रतिभा का खुलासा किया। इस बार फैंस ने सिर्फ उनकी अदाकारी ही नहीं, बल्कि उनकी मधुर आवाज की तारीफ भी की। चैट शो 'जीना इसी का नाम है' के एक एपिसोड में वह अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ पहुंची। इस दौरान होस्ट फारूक शेख के साथ हल्की-फुल्की मस्ती की। एपिसोड में जब होस्ट ने चंद्रचूड़ सिंह से फिल्म 'जोश' की शूटिंग के दौरान कोई मजेदार या खास किस्सा साझा करने के लिए कहा, तो उन्होंने एक रहस्य का खुलासा किया। चंद्रचूड़ ने बताया कि ऐश्वर्या राय गायन में भी बेहद अच्छी हैं, और यह बात बहुत कम लोग जानते हैं। उन्होंने कहा, "ऐश्वर्या जितनी सुंदर दिखतीं हैं, उससे भी सुंदर उनकी गायन शैली है। उनकी आवाज बेहद मधुर है।" चंद्रचूड़ के इस खुलासे के बाद वहां मौजूद लोगों में उत्सुकता बढ़ गई और सभी ने उनसे कुछ गाने की सिफारिश की। इस पर ऐश्वर्या ने हंसते हुए कहा कि असल में गाना तो चंद्रचूड़ ही अच्छे से गाते हैं। इसके बाद होस्ट ने दोनों से आग्रह किया कि वे लोगों की डिमांड पर कुछ गाकर दिखाएं, तो ऐश्वर्या ने अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'और प्यार हो गया' का गाना 'मेरी सासों में बसा है तेरा ही एक नाम' को बेहद खूबसूरती के साथ गाया। ऐश्वर्या की आवाज ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसमें उनका साथ चंद्रचूड़ सिंह ने भी दिया। एपिसोड के दौरान फारूक शेख ने चंद्रचूड़ सिंह से ऐश्वर्या के साथ काम करने के अनुभव के बारे में पूछा। इस पर उन्होंने ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए कहा, "वह बेहद दयालु और सपोर्टिव हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा सौभाग्य था और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। वह सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि समझदार और सुलझी हुई इंसान हैं।" बता दें कि फिल्म 'जोश' 2000 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन मंसूर खान ने किया था। इसमें शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय भाई-बहन के किरदार में थे, जबकि ऐश्वर्या और चंद्रचूड़ रोमांटिक जोड़ी में नजर आए थे।

रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' ने दो दिन में पार किया 10 करोड़ का आंकड़ा

रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से कदम बढ़ा रही है। फिल्म ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए लगभग 50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है। इसी के साथ फिल्म का कुल नेट कलेक्शन दो दिनों में 10 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। शनिवार को फिल्म ने करीब 6 करोड़ रुपये की कमाई की, जो इसके पहले दिन के मुकाबले बड़ी छलांग मानी जा रही है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि रविवार को इसमें और उछाल देखने को मिल सकता है। फिल्म ने पहले दिन ही सभी अनुमानों को पीछे छोड़ दिया था। 4 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ 'मर्दानी 3' न सिर्फ इस फ्रेंचाइज़ी की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर बनी, बल्कि रानी मुखर्जी की सोलो फिल्मों में भी सबसे बड़ी शुरुआत दर्ज करने में सफल रही। महिला-प्रधान फिल्मों के लिहाज से भी यह ओपनिंग बेहद मजबूत मानी जा रही है। फिल्म को समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और दर्शकों के बीच भी इसका मजबूत वर्ड ऑफ माउथ बनता दिख रहा है। सामाजिक मुद्दे पर आधारित यह थ्रिलर उन दर्शकों के लिए खास बन गई है जो कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को प्राथमिकता देते हैं। रानी मुखर्जी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सोलो लीड के तौर पर दर्शकों को थिएटर तक खींचने की क्षमता रखती हैं। अपने फिल्मी करियर के 30वें साल में इस तरह की बॉक्स ऑफिस सफलता हासिल करना उनकी निरंतर लोकप्रियता और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

राम चरण के घर गूंजी किलकारियां, उपासना ने जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला के घर खुशियों की दोगुनी दस्तक आई है। 31 जनवरी, 2026 को इस जोड़े ने जुड़वा बच्चों एक बेटे और एक बेटी का स्वागत किया। इस बड़ी खबर की पुष्टि खुद राम चरण के पिता और साउथ के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पर की, जिससे परिवार और प्रशंसकों में जश्न का माहौल बना हुआ है। चिरंजीवी ने इस खुशी के पल को दैवीय आशीर्वाद बताते हुए लिखा, ₹अत्यधिक खुशी और आभार के साथ हमें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि राम चरण-उपासना को जुड़वा बच्चों एक बेटे और एक बेटी, का आशीर्वाद मिला है। मां और दोनों बच्चे स्वस्थ हैं। दादा-दादी के रूप में इन नन्हें बच्चों का स्वागत करना हमारे लिए आनंद और दैवीय आशीर्वाद का क्षण है। हम सभी के प्रार्थनाओं, प्रेम, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए तहे दिल से आभारी हैं। चिरंजीवी और सुरेखा।₹ राम चरण और उपासना की पहले भी खुशी भरी खबर रही है। साल 2023 में उनके घर बेटी क्लिन कारा का जन्म हुआ था। अब 2026 में जुड़वा बच्चों के जन्म के साथ उनका परिवार और भी पूरा हुआ है। इससे पहले, उपासना और राम चरण ने पिछले साल दिवाली के मौके पर अपने प्रशंसकों को बताया था कि वे फिर माता-पिता बनने वाले हैं।